



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 181]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 20, 2010/आषाढ़ 29, 1932

No. 181]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 20, 2010/ASADHA 29, 1932

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 15 जुलाई, 2010

सं. टीएएमपी/4/2009-वीपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा, संलग्न आदेशानुसार शुल्क गोदीकरण प्रभारों के संशोधन के लिए विशाखापत्तनम पत्तन न्यास से प्राप्त प्रस्ताव का निपटान करता है।

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

मामला सं. टीएएमपी/4/2009-वीपीटी

विशाखापत्तनम पत्तन न्यास

—आवेदक

आदेश

(जून, 2010 के 16वें दिन पारित)

यह मामला पत्तन के स्वामित्व वाली शुल्क गोदी में प्रभार्य शुल्क गोदीकरण प्रभारों को संशोधित करने के लिए विशाखापत्तनम पत्तन न्यास (वीपीटी) द्वारा दाखिल किए गए प्रस्ताव दिनांक 1 जनवरी, 2009 से संबंधित है।

2.1. प्रस्ताव में वीपीटी द्वारा किए गए मुख्य निवेदन नीचे दिए गए हैं:-

- (i). वीपीटी के आउटर रिपेयर स्टेशन (ओआरएस) में शुष्क गोदी पत्तन के स्वामित्व वाले पोतों को सेवा प्रदान करने के लिए वर्ष 1933 में निर्मित की गई थी। गोदी में मरम्मतों/गोदी में खड़े किए गए पोतों की जरूरत के लिए 10 टन इलैक्ट्रिक लेवल लफिंग क्रैन उपलब्ध करवाई गई है। यह पत्तन के स्वामित्व वाली पूर्णतः सुसज्जित केवल एक शुष्क गोदी है जो पूरे पूर्व तट में मौजूद है।
- (ii). पूर्वकाल में, पत्तन क्राफ्ट के बार-बार खराब होने और आवधिक अनुसूचित शुष्क गोदीकाल की वजह से यह सुविधा फ्लोटिला, नामतः ड्रेजर्स, टगों, लॉचों, बाजों, फ्लोटिंग, क्रनों आदि के बेहतर रखरखाव के लिए पूरे कैलेंडर वर्ष में पत्तन स्वामित्व वाले पोतों तक सीमित की गई थी।
- (iii). पश्चिम तट पर बहुत कम शुष्क गोदियां होने और मानसून से मांग बढ़ने की वजह से विलंब होता है और पश्चिम तट पर शुष्क गोदीकरण तक सीमित किया जाता है जिससे शुष्क गोदी में स्लॉट के आबंटन के लिए भारतीय नौसेना, तट रक्षक, भौगोलिक सर्वेक्षण, ऑफ शॉर आपूर्ति पोतों आदि से पत्तन पर दबाव चरम पर पहुंच जाता है।
- (iv). इसके अलावा, कृष्णा गोदावरी पट्टी में ऑफ शॉर गतिविधि बढ़ने की वजह से शुष्क गोदी की अपेक्षा बहुत बढ़ गई है क्योंकि पूर्व तट में बहुत कम शुष्क गोदियां हैं जो 70 मीटर लम्बाई से अधिक हैं।
- (v). वीपीटी ने 25 अगस्त 2006 को हुई अपनी बोर्ड मीटिंग में पत्तन पोतों की समय-सारणी को प्रभावित किए गए बिना नौसेना/तट रक्षक/प्राइवेट शिपिंग पोतों को व्यवस्थित करने का निर्णय लिया था। यह भी निर्णय लिया गया था कि डिस्ट्रेस में नौसेना, तट रक्षक और पोतों को वरीयता दी जाए।
- (vi). वीपीटी का मौजूदा दरमान शुष्क गोदीकरण प्रभार निर्धारित करता है जो 2001 से लागू है और बहुत कम है।
- (vii). शुष्क गोदी की अनुरक्षण लागत स्टॉफ प्रभारों, बिजली प्रशुल्क और सामग्रियों की लागत में वृद्धि के कारण असामान्य रूप से बढ़ी है।
- (viii). विचाराधीन उपर्युक्त सभी कारकों पर बात करते हुए, वीपीटी ने शुष्क गोदीकरण प्रभारों में संशोधन करने का प्रस्ताव किया है।

2.2. वीपीटी ने प्रस्तावित गोदी ब्लॉक तैयारी प्रभारों, किराया/प्रभारों, समेकित गोदीकरण और अगोदीकरण प्रभारों और क्रन प्रभारों के समर्थन में लागत विवरण भेजे हैं। प्रत्येक प्रशुल्क मद के लिए प्रेषित लागत विवरण का सार नीचे दिया गया है:-

(i). शुष्क प्रखंड तैयार करने के प्रभार:

विवरण	(रु० में)	
	50 मी० लम्बाई से अधिक के समतल तल पोतों के लिए	50 मी० लम्बाई से कम के आकृति वाले पोत
कुल वेतन बोनस, एलएससी एवं पीसी सहित	31909.18	54692.43
जोड़ें: 25 प्रतिशत लंबित मजदूरी संशोधन	7977.29	13673.11
जोड़ें	39886.47	68365.54
जोड़ें: गोताखोर लागत	4000.00	2000.00
लकड़ी के पलकों और नेलों की लागत	27250.00	54500.00
गोदी प्रखंड तैयारी के लिए कुल लागत	71136.47	124865.54
प्रथम रलैब के लिए प्रस्तावित दर	70000	120000

(ii). ओआरएस शुष्क प्रखंड में डॉक किए गए पोत के लिए शुष्क गोदी किराया/विराम प्रभार:

क्र. सं.	परिसंपत्ति का नाम : (ओआरएस शुष्क गोदी)	कुल (रु० में)
1.	पूँजी लागत	65000000
	जीवनकाल वर्षों में	75
	कार्यदिवसों की सं. प्रतिवर्ष	310

2.	निश्चित लागत:	
(क).	मूल पूँजी लागत पर 16 प्रतिशत की दर से निवेश पर प्रतिलाभ	10400000
(ख).	मूल्यहास	866667
	कुल निर्धारित लागत (क)	11266667
3.	परिवर्तनीय लागत:	
(क).	मूल पूँजी लागत पर 3.33 प्रतिशत की दर से मरम्मतों और नवीकरण	2164500
(ख).	वेतन	1357958
(ग).	प्रबंधन और सामान्य प्रशासन, मद-ख पर व्यय 20.54 प्रतिशत की दर से	278925
(घ).	तेल और ल्यूबरिकेंट्स और अन्य उपभोग्य	732230
(ङ).	बिजली	422960
(च).	मद क, घ और ङ पर 10.27 प्रतिशत की दर से वर्कशाप, भंडार और सामान्य उपरिव्यय	322674
	कुल परिवर्तनीय लागत (ख)	5279246
	कुल लागत प्रतिवर्ष (क + ख)	16545913
	कुल लागत प्रतिदिन (16545913 / 310 दिन)	53374
	प्रस्तावित दर प्रतिदिन (रु० में)	53350

(iii). समेकित गोदीकरण ओर अगोदीकरण प्रभार:

(रु० में)

क्र.सं.	मद	गोदीकरण प्रभार	अगोदीकरण प्रभार
(i).	लेबर प्रभार:		
	(क). बोनस, एलएससी और पीसी सहित वेतन	15345.77	7377.47
	(ख). जोड़ें: 25 प्रतिशत मजदूरी संशोधन	3836.44	1844.36
	पूर्णांकित करने के पश्चात (क)	19182.21	9221.78
		19200	9200
(ii).	गोदी सफाई प्रभार:		
	(क). बोनस, एलएससी और पीसी सहित वेतन	5955.75	5955.75
	(ख). जोड़ें: 25 प्रतिशत लंबित मजदूरी संशोधन	1488.94	1488.94
	पूर्णांकित करने के बाद (ख)	7444.69	7444.69
		7400	7400
(iii).	डिवाॅटर प्रभार:		
	(क). पम्पिंग प्रभार 16901.60		
	(ख). अधिभार 25 प्रतिशत की दर से 4225.50		--
	(ग). मीटर प्रभार 2000	21147.50	
	पूर्णांकित करने के बाद (ग)	21150.00	--
(iv).	कुल क + ख + ग	47750	16600
(v).	समेकित प्रभार (47750 + 16600)	64350	
(vi).	अनुसार, समेकित प्रस्तावित प्रभार (रु० में प्रतिदिन)	64000	

(iv). क्रेन के किराये के लिए प्रभार:

स्टाफ लागत प्रति घंटा	-	रु० 215
बिजली प्रभार	-	रु० 352
किराया प्रभार प्रति घंटा	-	रु० 414
जोड़	-	रु० 981.05

प्रस्तावित क्रेन प्रभार प्रति घंटा न्यूनतम रु० 1395/- प्रति घंटा की शर्त पर रु० 981/- प्रस्तावित किए गए हैं।

2.3. सारबद्ध करने के लिए, मौजूदा दरमान की अनुसूची 7.6.1 में निर्धारित शुष्क गोदीकरण प्रभार और प्रस्तावित शुष्क गोदीकरण प्रभार नीचे तालिकाबद्ध किए गए हैं:-

मौजूदा शुष्क गोदीकरण प्रभार			प्रस्तावित शुष्क गोदीकरण प्रभार			
अनुसूची 7.6.1.			(i). गोदी प्रखंड तैयारी प्रभार:			
इकाई प्रतिदिन			पोत का प्रकार			
मद	विवरण	दर रु0 में	पोत की लम्बाई			
1.	पहले दिन	रु0 27,009.25	50 मी0 अथवा कम			
2.	2रें से 14वें दिन तक	रु0 22,022.95	50 मी0 से अधिक परन्तु 100 मी0 से कम			
3	पन्द्रहवें दिन से और उसके बाद	रु0 33,034.45	समतल तल			
			रु0 70000/-			
			रु0 87500/-			
			रु0 105000/-			
			आकृति वाले पोत जैसे तट रक्षक/नौसेना			
			रु0 120000/-			
			रु0 160000/-			
			रु0 200000/-			
			(ii). ओआरएस गोदी में डॉक किए गए पोत के लिए किराया/विराम प्रभार प्रतिदिन:			
			पहले दिन से 14वें दिन तक			
			रु0 53350/-			
			15वें दिन से 30वें दिन तक			
			रु0 80000/-			
			31वें दिन से आगे			
			Rs.106700/-			
			(iii). शुष्क गोदी से समेकित गोदीकरण और अगोदीकरण प्रभार -- रु0 64000/-			
			(iv). क्रेन प्रभार -- रु0 981/- प्रति घंटा अथवा उसका भाग परन्तु न्यूनतम रु0 1395/-।			
			(v). प्रखंड स्थानांतरण प्रभार वास्तविकताओं पर।			
			(vi). स्टॉफ के लिए समयोपरि वास्तविकताओं पर यदि सामान्य कार्य घंटों के बाद गोदीकरण/अगोदीकरण किया जाता है।			
			(vii). द्वितीय गोदीकरण प्रभार नौसेना और तट रक्षक पोतों के लिए अतिरिक्त वसूल किया जाएगा -- रु0 47000/-।			

3. निर्धारित परामर्शी प्रक्रिया के अनुसार, वीपीटी से प्राप्त प्रस्ताव की प्रति संबद्ध उपयोक्ताओं/उपयोक्ता संगठनों को उनकी टिप्पणियों के लिए अग्रेषित की गई थी। कुछ उपयोक्ताओं ने अपनी टिप्पणियां भेजी हैं। उनसे प्राप्त टिप्पणियां वीपीटी को उनकी टिप्पणियों के लिए प्रतिपुष्टि सूचना के रूप में अग्रेषित की गई थी। वीपीटी ने उपयोक्ताओं की टिप्पणियों पर अपनी टिप्पणियां भेजी हैं।

4. प्रस्ताव की प्राथमिक संवीक्षा के आधार पर, वीपीटी ने विभिन्न बिन्दुओं पर सूचना/स्पष्टीकरण भेजने का अनुरोध किया है। वीपीटी ने अपना जवाब भेजा है। वीपीटी द्वारा भेजे गए जवाब की जांच करने पर कुछ अन्तर देखे गए थे। तदनुसार, वीपीटी से और अतिरिक्त सूचना/स्पष्टीकरण भेजने का दोबारा अनुरोध किया गया था। वीपीटी ने अपना जवाब भेजा है। उठाए गए प्रश्नों और वीपीटी द्वारा प्रेषित जवाबों का सार नीचे तालिकाबद्ध किया गया है:-

क्र.सं.	हमारे द्वारा उठाए गए प्रश्न	वीपीटी द्वारा प्रेषित जवाब
(i).	(क). प्रस्ताव के साथ भेजा गया लागत विवरण दर्शाता है कि वेतन/मजदूरी लागत और प्रबंधन उपरिव्यय महत्वपूर्ण रूप से प्रस्तावित दरों को प्रभावित कर रही है। यह स्वीकार करना होगा कि वर्ष 2006-07 से 2008-09 के लिए अनुमानित वेतन/मजदूरी और प्रबंधन उपरिव्यय वीपीटी के पिछले प्रशुल्क संशोधन के दौरान पहले भी सुविचारित किए गए थे। इस संबंध में, कृपया स्पष्ट करें कि क्या पत्तन यह सेवा ऑफर करने के लिए कोई अतिरिक्त मैनपावर तैनात करने का प्रस्ताव करता	पत्तन और गोदी सुविधा गतिविधि के अधीन वेतन/मजदूरी और प्रबंधन उपरिव्ययों पर विचार करने के बाद, वर्ष 2006 में दरमान के सामान्य संशोधन के दौरान प्रेषित वर्ष 2006-07 से 2008-09 के लागत विवरण में 8.82 प्रतिशत का कुल घाटा दर्शाया गया था। टीएमपी द्वारा सुविचारित संशोधित अनुमानों के अनुसार, घाटा 5.82 प्रतिशत है। इसलिए, संशोधन प्रस्तावित किया गया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि स्टॉफ घटक में कोई बदलाव नहीं है, परन्तु मजदूरी संशोधन के

	है। कृपया यह भी सुनिश्चित करें कि संशोधन के लिए देय वीपीटी के दरमान (एसओआर) के सामान्य संशोधन में सुविचारित की जाने वाली लागत मदों में इन लागत तत्वों को दोहराया नहीं गया है।	कारणक वेतनों में संभावित वृद्धि करते समय लागत तत्वों को दोहराया नहीं जाएगा। वास्तव में, शुष्क गोदीकरण प्रभार का प्रस्तावित संशोधन पत्र दिनांक 1 अप्रैल 2009 द्वारा टीएमपी को भेजे गए दरमान के सामान्य संशोधन के प्रस्ताव में पहले से शामिल किया गया है।
	(ख). वेतनों और मजदूरी लागत के 25 प्रतिशत पर मजदूरी संशोधन के प्रभाव पर विचार करने का आधार स्पष्ट करें। यह देखा जाए कि प्राधिकरण ने वीपीटी, न्यू मैंगलूर पत्तन न्यास और अन्य महापत्तनों के दरमान के पिछले सामान्य संशोधन में कुल मजदूरी लागत के 15 प्रतिशत पर मजदूरी संशोधन के प्रावधान को स्वीकार किया था।	मजदूरी संशोधन के लिए 15 प्रतिशत का प्रावधान यह मानते हुए 2005 में दरमान प्रस्तुत करते समय सुविचारित किया गया था कि वेतनों में केवल 15 प्रतिशत बढ़ोतरी होगी। केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों के लिए छठे वेतन आयोग के अनुसार, वर्तमान वेतनों में 30 प्रतिशत से ज्यादा वृद्धि की गई है। इसलिए, 25 प्रतिशत के मजदूरी संशोधन में बढ़ोतरी उसी के अनुसार पत्तनों के लिए भी परिकल्पित की गई है।
(ii).	गोदी प्रखंड तैयारी प्रभार:	
	(क). प्रस्तावित गोदी प्रखंड तैयारी प्रभारों की वसूली के सामने प्रदत्त की जाने वाली सेवाओं का ब्योरा स्पष्ट करें।	पोत की गोदी में खड़ा करने से पहले, कील प्रखंडों/बिल्ज प्रखंडों/साइड प्रखंडों को गोदीकरण योजना के अनुसार पोत ढांचे के समर्थन के लिए व्यवस्थित किए जाने हैं। यह पोत के अंडरवॉटर हल की आकृति और पोत के आकार पर निर्भर करता है।
	(ख). पोतों के विभिन्न प्रकारों के लिए भिन्न-भिन्न प्रशुल्क प्रस्तावित के कारण स्पष्ट करें।	पोत के आकार और पोत के अंडरवॉटर हल की आकृति पर निर्भर करते हुए, उपयोग किए जाने वाले प्रखंडों की संख्या भिन्न होगी। तट रक्षक पोतों के मामले में, हल की अंडरवॉटर आकृति विभिन्न कारणों से व्यावसायिक पोतों से बहुत भिन्न है। इसलिए आकृति वाले पोतों/तट रक्षक पोतों के लिए गोदी प्रखंड तैयारी को तैयार करने में ज्यादा दिन लगते हैं। इसलिए, विभिन्न प्रभार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित किए गए हैं कि पत्तन इसे तैयार करने में लगे समय से नुकसान की स्थिति में नहीं है।
	(ग). विषय प्रस्ताव के अनुलग्नक-IV में गोताखोरों की लागत और लकड़ी के प्लंकों और नेलों की लागत का अनुमान लगाने का आधार भेजे और इन सेवाओं के लिए पत्तन द्वारा प्रोद्भूत की गई वास्तविक लागत के संदर्भ में औचित्य बताएं।	लकड़ी के वेजों/प्लंकों हील/बिल्ज/साइड प्रखंडों की चोरी पर उपयोग किए जाते हैं। हल की अंडरवॉटर आकृति को सूट करने के लिए वेजों को काटना होगा। इन लकड़ी के प्लंकों/वेजों को नेलों आदि के स्थान पर लगाना होगा। इन लकड़ी प्लंकों/वेजों का दोबारा उपयोग नहीं किया जा सकता क्योंकि वे ज्यादातर मामलों में कम्प्रेसड अथवा टूट जाते हैं। वीपीटी शुष्क गोदी में रबड़ की सीलिंग वाले परंपरागत प्रकार के गेट हैं। प्रायः इन सीलिंगों के माध्यम से कुछ लीक होंगे। गोताखोरों से अपेक्षा की जाती है कि दरारों को बन्द करने के लिए समुद्र की ओर से कोकिंग की जाए। कोकिंग के कालिए अपेक्षित समय दरारकी मात्रा पर निर्भर करता है। इस मामले में औसत ली गई थी।
(iii).	किराया प्रभार:	
	(क). (i). पुष्टि करें कि क्या ओआरएस शुष्क गोदी अचल परिसंपत्तियों के वर्तमान प्रखंड में नया संवर्धन है। यदि हाँ, तो पत्तन द्वारा व्यय किए गए पूंजी लागत का दस्तावेजी साक्ष्य और इस परिसंपत्ति को शुरू करने की तारीख भेजें।	ओआरएस शुष्क गोदी को परंपरागत रूप से आंतरिक हारबर की शुष्क गोदी कहा जाता है, यह अचल परिसंपत्तियों के वर्तमान प्रखंड में नया संवर्धन नहीं है। उक्त परिसंपत्ति के शुरू होने का वर्ष 1950 है।
	(ii). अस्थाई वार्षिक लेखों 2008-09 में यथा प्रतिवेदित 31 मार्च 2009 को ओआरएस शुष्क गोदी से संबंधित सकल और निवल अचल परिसंपत्तियां दर्शाएं। पुष्टि करें कि निवेश पर प्रतिलाभ लागत गणना में 2005 के प्रशुल्क दिशानिर्देशों के अनुसार निवल अचल परिसंपत्तियों पर परिकलित किया गया है।	अभिलेखों के अनुसार 31 मार्च 2009 को ओआरएस शुष्क गोदी से संबंधित निवल अचल परिसंपत्तियां रु0 10694055/- है। तथापि, ओआरएस शुष्क गोदी का रिइनस्टेटिड मूल्य वर्ष 2007-08 में मै0 जाडन एंड कं0 द्वारा प्रस्तुत की गई परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर रु0 6.50 करोड़ सुविचारित किया गया था। इसलिए निवेश पर प्रतिलाभ भी इसपर सुविचारित किया गया है।
	(ख). पुष्टि करें कि भारी परिसंपत्ति पर मूल्यहास 2005 के प्रशुल्क दिशानिर्देशों के अनुसार कम्पनी अधिनियम 1956 में निर्धारित जीवनकाल प्रतिमानकों के अनुसार सुविचारित किया	परिसंपत्ति का जीवनकाल वार्षिक मूल्यहास की गणना के प्रयोजन के लिए मंत्रालय द्वारा निर्धारित 75 वर्ष सुविचारित किया गया है। मूल्यहास स्ट्रेट लाइन पद्धति पर परिकलित

	गया है। उक्त अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों का संदर्भ भी दें।	किया गया है।												
	(ग). (i). प्रस्तावित दर पर पहुंचने के लिए अन्य मदों जैसे मरम्मतें और नवीकरण, वेतन, प्रबंधन और सामान्य उपरिव्यय, ऑयल और ल्यूबरिकेंट्स, बिजली और वर्कशा, भंडार और सामान्य उपरिव्ययों का अनुमान लगाने का आधार स्पष्ट करें।	तेल, ल्यूबरिकेंट्स, बिजली और अन्य उपभोग्य शुष्क गोदी प्रचालित करने के लिए वास्तव में व्यय की गई राशि के आधार पर अनुमानित किए गए हैं। मरम्मतों और नवीकरण+तेलों+बिजली की लागत के 10.27 प्रतिशत पर सुविचारित पूंजी लागत और वर्कशाप, भंडारों और सामान्य उपरिव्ययों के 3.3 प्रतिशत पर सुविचारित मरम्मतों और नवीकरण की तुलनीय लागत विभिन्न पत्तन उपस्कर के लिए किराया प्रभार निर्धारित करने के लिए अनुसरित दृष्टिकोण के अनुसार है।												
	(ii). लागत गणना में सुविचारित मरम्मत और अनुरक्षण लागत पिछले दो वर्षों 2007-08 और 2008-09 में इस सेवा विशेष के लिए पत्तन द्वारा व्यय की गई वास्तविक मरम्मत और अनुरक्षण लागत के संदर्भ में औचित्य बताएं। सुनिश्चित करें कि पिछले दो वर्षों में किया गया एक बार का प्रमुख मरम्मतों और अनुरक्षण का व्यय, यदि कोई हो, अलग-से दर्शाया गया था और लम्बी समयावधि में प्रभाजित किया गया था।	पिछले 2 वर्षों के लिए व्यय किए गए एक बार के मरम्मतों और अनुरक्षण लागतों को नीचे दर्शाया गया है:- <table border="1"> <tr> <td>i.</td><td>कील प्रखंड प्राप्ति (2009)</td><td>रु016,66,000</td></tr> <tr> <td>ii.</td><td>शुष्क गोदी पम्प हाऊस और शुष्क गोदी में विशेष मरम्मतें (सिविल कार्य) 2007-08 2008-09</td><td>रु0 2,96,374 रु0 19,89,230</td></tr> <tr> <td>iii.</td><td>शुष्क गोदी पम्प पुर्ज</td><td>रु0 26,43,939</td></tr> <tr> <td></td><td>जोड़</td><td>रु0 65,95,543</td></tr> </table> <p>उपर्युक्त व्यय को 3 वर्षों की अवधि में प्रभाजित करने पर यह रु0 2198514/- होता है। उक्त प्रभाजित व्यय के अलावा, खर्च किए गए नियमित आर एंड एम व्यय वर्ष 2007-08 के लिए रु0 50,000/- और वर्ष 2008-09 के लिए रु0 45,000/- है। इसलिए, पूंजी लागत अर्थात् रु0 21,64,500/- पर 3.3 प्रतिशत की दर से आर एंड एम व्ययों के लिए लागत विवरण में उल्लिखित राशि तर्कसंगत है।</p>	i.	कील प्रखंड प्राप्ति (2009)	रु016,66,000	ii.	शुष्क गोदी पम्प हाऊस और शुष्क गोदी में विशेष मरम्मतें (सिविल कार्य) 2007-08 2008-09	रु0 2,96,374 रु0 19,89,230	iii.	शुष्क गोदी पम्प पुर्ज	रु0 26,43,939		जोड़	रु0 65,95,543
i.	कील प्रखंड प्राप्ति (2009)	रु016,66,000												
ii.	शुष्क गोदी पम्प हाऊस और शुष्क गोदी में विशेष मरम्मतें (सिविल कार्य) 2007-08 2008-09	रु0 2,96,374 रु0 19,89,230												
iii.	शुष्क गोदी पम्प पुर्ज	रु0 26,43,939												
	जोड़	रु0 65,95,543												
	(iii). सामान्य उपरिव्यय, भंडार आदि इस मद को मरम्मतों और नवीकरणों जमा तेल जमा बिजली के प्रतिशत रूप में अनुमान लगाने की बजाय पिछले दो वर्षों के दौरान ओआरएस शुष्क गोदी के लिए किए गए वास्तविक व्यय के आधार पर अनुमानित करें।	पिछले 2 वर्षों के लिए वास्तविक रूप से किए गए भंडार व्यय रु0 1344416/- है जबकि लागत विवरण में यह वर्कशाप भंडारों और सामान्य उपरिव्ययों के लिए 10.27 प्रतिशत लागू करते हुए केवल रु0 322674/- सुविचारित किया गया है। शुष्क गोदी में शुष्क गोदी प्रचालित करने के लिए वास्तव में व्यय की गई राशियों के आधार पर लेखा में लिए गए निर्धारित लागत और तुलनीय लागतें, तेल, ल्यूबरिकेंट्स, बिजली और अन्य उपभोग्य शामिल हैं। विभिन्न पत्तन उपस्कर के लिए किराया प्रभार निर्धारित करने के लिए यथा अनुसरित मरम्मतों और नवीकरणों+तेलों+बिजली की लागत पर 10.27 प्रतिशत पर सुविचारित पूंजी लागत और वर्कशाप, भंडारों तथा सामान्य उपरिव्ययों पर 3.3 प्रतिशत पर सुविचारित मरम्मतों और नवीकरणों की परिवर्तनीय लागत पर सुविचारित किया गया है। इसलिए, सामान्य उपरिव्यय, भंडार आदि ऊपर यथा उल्लिखित प्रतिशत रूप में लिए गए हैं।												
	(घ). इस गतिविधि के लिए विनियुक्त कर्मचारी घंटों की संख्या और उसकी औसत वेतन लागत का ब्रेकअप देते हुए गोदी किराया प्रभारों के लिए रु0 13.58 लाख पर अनुमानित वेतन का विस्तृत परिकलन भेजें।	ओआरएस शुष्क गोदी और फिशिंग हारबर शुष्क गोदी दोनों के लिए शुष्क गोदीकरण सुविधाओं हेतु विनियुक्त स्टाफ 10 है। इसलिए, स्टाफ वेतनों का 50 प्रतिशत ओआरएस शुष्क गोदी के लिए प्रभाजित किए गए हैं। जरूरी गणना पत्रक भेजा गया है।												
(iv).	क्रेन प्रभार:													
	(क). वीपीटी का दरमान 10 टन इलैक्ट्रिक लेवल लफिंग	दरमान में यथा निर्धारित क्रेन किराया प्रभार दर अर्थात् रु0												

	(ईएलएल) क्रेन के लिए रु 414 प्रति घंटा किराया प्रभार निर्धारित करता है। प्रस्ताव से ऐसा लगता है कि पत्तन मौजूदा 10 टन ईएलएल क्रेन तैनात करेगा। तथापि, पत्तन ने क्रेन प्रभारों के रूप में रु 981 प्रति घंटा की भिन्न दर प्रस्तावित की है। इसी क्षमता की क्रेन के लिए भिन्न दर प्रस्तावित करने का कारण स्पष्ट करें।	414/- प्रति घंटा पर विचार किया गया है और उक्त क्रेन के प्रचालन के लिए स्टाफ लागत और बिजली प्रभारों पर भी विचार किया गया है।												
	(ख). सामान्यतः, क्रेन की प्रचालन लागत अर्थात् स्टाफ लागत, बिजली लागत, मूल्यहास आदि पर उपस्कर का किराा प्रभार निर्धारित करते समय विचार किया गया है। इस संदर्भ में, कृपया पुष्टि करें कि वर्तमान दरमान में निर्धारित किराया प्रभार में उक्त क्रेन के संदर्भ में स्टाफ लागत और बिजली लागत शामिल नहीं है।	दरमान के सामान्य संशोधन के लिए प्रस्ताव से पहले निर्धारित क्रेन किराया प्रभारों के लिए प्रभार पर विचार किया गया है। दरमान के सामान्य संशोधन के लिए प्रस्ताव अग्रेषित करते समय, वीपीटी ने क्रेन किराया प्रभारों में वृद्धि करने का निर्णय नहीं लिया था और इसलिए यह सूचित किया जाता है कि क्रेन किराया प्रभार वर्तमान दरमान के अनुसार अर्थात् न्यूनतम रु 828/- की शर्त पर रु 414/- प्रति घंटा होंगे।												
(v).	वे सेवाएं स्पष्ट करें जो पत्तन प्रस्तावित प्रखंड स्थानांतरण प्रभारों के अधीन उपलब्ध करवाएगा। पत्तन वास्तविक आंकड़ों के आधार पर लेवी प्रस्तावित करने की बजाय सेवा उपलब्ध करवाने की लागत के आधार पर इस सेवा के लिए विशिष्ट दर प्रस्तावित करने पर विचार करें। यह प्रश्न दोबारा दोहराया गया था।	प्रखंड स्थानांतरण केवल कुछ मामलों में अपेक्षित है। यह अपेक्षा की गई है कि जब कभी पोतों को तल पेंटिंग की आवश्यकता हो और प्रखंड स्थानांतरण की संख्या पोत और अपेक्षा पर निर्भर करती है। इसलिए, विशिष्ट दर प्रस्तावित नहीं की जा सकती क्योंकि साइड/बिल्ज/कील प्रखंडों के स्थानांतरण में शामिल कार्य भिन्न हैं।												
(vi).	(क). नौसेना और तट रक्षक पोतों के लिए रु 47000/- पर अतिरिक्त गोदीकरण प्रभार प्रस्तावित करने के कारण स्पष्ट करें।	तट रक्षक पोत प्रायः दूसरे गोदीकरण के लिए अनुरोध करते हैं। उससे गोदी में फलिंग होती है और पोत को कुछ मीटरों तक स्थानांतरण करना पड़ता है और उन्हें दोबारा नए प्रखंडों पर रखना पड़ता है। इसलिए, अतिरिक्त प्रभार प्रस्तावित किए गए हैं।												
	(ख). इस संबंध में शामिल अतिरिक्त लागत के संदर्भ में नौसेना और तट रक्षक पोतों के लिए अतिरिक्त गोदीकरण प्रभारों के लिए प्रस्तावित दर रु 47000/- के समर्थन में विस्तृत लागत गणना भेजें।	नौसेना और तट रक्षक पोतों के लिए 2रें संस्करण गोदीकरण के लिए विस्तृत लागत गणना नीचे दी गई है:- <table border="1"> <tr> <td>(क).</td><td>लेबर प्रभार</td><td>रु 19,000/-</td></tr> <tr> <td>(b).</td><td>गोदी सफाई प्रभार</td><td>रु 7,000/-</td></tr> <tr> <td>(c).</td><td>पानी बाहर निकालने के प्रभार</td><td>रु 21,000/-</td></tr> <tr> <td></td><td>जोड़</td><td>रु 47,000/-</td></tr> </table> तथापि, पत्तन ने पत्र दिनांक 6 जून 2009 द्वारा वीएसआरए की टिप्पणियों पर टिप्पणियां भेजते समय उल्लिखित किया था कि नौसेना और तट रक्षक पोत के लिए प्रस्तावित अतिरिक्त गोदीकरण प्रभार प्रथम गोदीकरण प्रभारों के 50 प्रतिशत पर वसूल किया जाएगा और अपेक्षित सामग्री प्रथम संस्करण गोदीकरण की तुलना में कम होगा।	(क).	लेबर प्रभार	रु 19,000/-	(b).	गोदी सफाई प्रभार	रु 7,000/-	(c).	पानी बाहर निकालने के प्रभार	रु 21,000/-		जोड़	रु 47,000/-
(क).	लेबर प्रभार	रु 19,000/-												
(b).	गोदी सफाई प्रभार	रु 7,000/-												
(c).	पानी बाहर निकालने के प्रभार	रु 21,000/-												
	जोड़	रु 47,000/-												
(vii).	(क). तीन वर्षों 2009-10, 2010-11 और 2011-12 के लिए प्रस्तावित प्रशुल्क मदों से प्रोद्भूत होने की संभावना वाला अतिरिक्त राजस्व भेजें।	यह बताया गया है कि केवल वर्ष 2008-09 के दौरान 4 बाह्य पोत मरम्मतों के लिए गोदी में खड़े किए गए थे। तथापि, शुष्क गोदी सामान्यतः पत्तन क्रॉफ्टों के लिए उपयोग की जा रही है और उपलब्धता पर बाह्य पोतों को दी जाएगी। दरों में उपर्युक्त और प्रस्तावित वृद्धि पर विचार करते हुए, राजस्व लागत विवरण में रु 32.00 लाख वार्षिक पर अनुमानित किए गए थे।												
	(ख). वे अवसर दर्शाएं जब शुष्क गोदी सुविधाएं वर्ष 2006-07, 2007-08 और 2008-09 में बाह्य पोतों द्वारा प्राप्त की गई थी।	निजी पोतों द्वारा प्राप्त की गई शुष्क गोदी सुविधा के अवसर 2006-07 में 8, 2007-08 में 4 और 2008-09 में यह 10 पोत हैं।												
	(ग). वर्ष 2009-10 से 2011-12 के दौरान शुष्क गोदीकरण सुविधाएं प्राप्त करने की संभावना वाले पोतों का अनुमान भेजें।	वर्ष 2009-10 से 2011-12 के दौरान शुष्क गोदीकरण सुविधाएं प्राप्त करने की संभावना वाले पोतों की अनुमानित संख्या 18 (6 पोत प्रतिवर्ष) है।												
(viii).	अनुलग्नक-II गोदीकरण/अगोदीकरण प्रभार में दी गई लागत गणना													
	(क). गोदीकरण/अगोदीकरण प्रभारों से संबंधित अनुलग्नक-II में गोदीकरण/अगोदीकरण/सफाई गतिविधि के लिए लेबर लागत के अनुमानन के लिए सुविचारित मूल्यवर्गक 26 दिन है।	गोदी प्रखंड आदि तैयार करने के लिए अनुलग्नक-II और III में सुविचारित मूल्यवर्गक 30 दिन है क्योंकि वेतन मासिक आधार पर देय है। तथापि, अनुलग्नक-I में शुष्क गोदी												

	जबकि शुष्क प्रखंड तैयारी प्रभारों संबंधी अनुलग्नक- III में, प्रतिदिन लेबर लागत पर पहुंचने के लिए सुविचारित मूल्यवर्गक 30 दिन है। वीपीटी द्वारा प्रेषित उक्त दो गणनाओं में लेबर लागत का अनुमान लगाने के लिए ऐसी भिन्नता के कारण स्पष्ट करें।	किरया प्रभार निर्धारित करते समय, गोदी के कार्यदिवसों की सं. रविवारों के अलावा 310 दिन सुविचारित की गई थी।
	(ख). पानी निकालने की गतिविधि के लिए शुष्क गोदी में तैनात किए गए पम्पों द्वारा पिछले दो वर्षों 2007-08 और 2008-09 में बिजली का औसत वास्तविक उपभोग दर्शाएं।	ओआरएस शुष्क गोदी में पानी निकालने के दौरान वास्तविक बिजली उपभोग 1 महीने की अवधि के लिए रिसाव जल, पानी निकालने सहित पोत के लिए लगभग 5600 एचडब्ल्यूएच (इकाईयां) हैं। औसत बिजली उपभोग वर्ष 2007-08 के लिए 55000 केडब्ल्यूएच और वर्ष 2008-09 के 65000 केडब्ल्यूएच है।
	(ग). वीपीटी द्वारा बहुउद्देशीय कार्गो टर्मिनल और लिक्विड कार्गो टर्मिनल के अपफ्रंट प्रशुल्क के निर्धारण में अंगीकृत बिजली की इकाई दर रु0 6.20 है। बिजली की उक्त इकाई दर में कोई अन्य लागत तत्व नहीं जोड़े गए हैं। जबकि, शुष्क गोदीकरण प्रभारों के संशोधन के लिए प्रेषित लागत विवरण में, वीपीटी द्वारा सुविचारित बिजली की इकाई दर, 6.20+0.06 ईडी और 25 प्रतिशत अधिभार है। वर्तमान प्रस्ताव में बिजली लागत का अनुमान लगाने के लिए भिन्न दर अंगीकृत करने के कारण स्पष्ट करें और प्रासंगिक बिजली बिल की प्रति से प्रमाणित करें। मीटर प्रभार निश्चित व्यय है। इस गतिविधि के लिए मीटर लागत संबंधी रु0 20 आबंटित करने का आधार भी स्पष्ट करें।	ईडी और अधिभार शामिल करने का कारण - शुष्क गोदी में बिजली उपभोग मॉनीटर करने के लिए पृथक मीटर संस्थापित किया गया था और इसलिए, पोत स्वामी को बिजली उपभोग और रु0 20/- के मीटर प्रभार के अलावा ईडी अधिभार वहन करना होगा। इसलिए, इन्हें बीओटी प्रचालक की अपफ्रंट प्रशुल्क गणना के लिए सुविचारित नहीं किया गया था। वीपीटी द्वारा सुविचारित प्रशुल्क के निर्धारण हेतु बिजली की इकाई दर प्रशुल्क दरों, एलटी श्रेणी के अंतर्गत अस्थाई आपूर्ति के उपभोक्ताओं के लिए आंध्र प्रदेश ईस्टर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लि0 की निबंधन एवं शर्तों अर्थात रु0 6.20 की दर से इकाई लागत+बिजली ड्यूटी के लिए 0.06 ओर कम बिजली (अथवा) केपेसिटर के गैर-संस्थापन के लिए 25 प्रतिशत अधिभार पर आधारित है (तेलुगु भाषा में बिजली प्रशुल्क की प्रति भेजी गई है)।
(ix).	प्रस्तावित प्रशुल्क मदों की प्रत्येक मद को प्रोद्भूत करने की संभावना वाली अतिरिक्त आय वर्तमान प्रशुल्क स्तर पर आय और प्रस्तावित प्रशुल्क स्तर पर आय की विस्तृत गणना, सेवाएं प्राप्त करने वाले पोतों की संख्या, घंटों की संख्या जब सेवा प्राप्त की जाती है, आदि के साथ वर्ष 2009-10 से 2011-12 के लिए भेजें।	वर्ष 2008-09 के दौरान, 10 बाह्य पोत मरम्मतों के लिए गोदी में खड़े किए गए थे। तथापि, शुष्क गोदी सामान्यतः पत्तन क्रॉफ्टों के लिए उपयोग की जा रही है और उपलब्धता पर बाह्य पोतों को दी जाएगी। वर्ष 2009-10 से 2011-12 के लिए संभावित पोत लगभग 6 पोत प्रतिवर्ष होगी। वर्ष 2006-07 से 2008-09 के लिए तैयार किया गया लागत विवरण वास्तविकताओं पर आधारित है और वर्ष 2009-10 से 2011-12 के लिए प्रस्तावित दरें भेजी गई हैं। प्रस्तावित दरों पर भी शुष्क गोदी गतिविधि घाटा दर्शाती है। चूंकि मुख्यतः वीपीटी क्रॉफ्टों के लिए शुष्क गोदी सेवा प्रदान करती है, इसलिए घाटा वीपीटी द्वारा आमेलित किया जाना प्रस्तावित किया गया है।

5. इस मामले में संयुक्त सुनवाई 22 अक्टूबर 2009 को वीपीटी परिसर में आयोजित की गई थी। संयुक्त सुनवाई में, वीपीटी और कुछ उपयोक्ताओं ने अपने निवेदन प्रस्तुत किए थे।

6.1. संयुक्त सुनवाई में लिए गए निर्णय के अनुपालन में, वीपीटी ने और स्पष्टीकरण/औचित्य भेजे हैं जिन्हें नीचे सारबद्ध किया गया है:-

(i). 3 वर्षों की अवधि के लिए एमजीए प्रतिशत की औसत को लेखा में लेते हुए एमजीए पर विचार किया गया है। एमजीए की गणना के लिए प्रक्रिया निम्नवत् है:-

पत्तन का कुल प्रचालन व्यय (क)	xxx
घटाएं एमजीए (मजदूरी संशोधन के लिए प्रावधान अतिरिक्त (ख))	xxx -----
निवल प्रचालन व्यय (ग)	xxx
इंजीनियरिंग और वर्कशाप उपरिव्यय (घ)	xxx
भंडार रखरखाव (ड)	xxx
अन्य सामान्य उपरिव्यय (च)	xxx -----

कुल एमजीए {घ+ड+च} (छ)	xxx
प्रचालन व्यय में सामान्य एमजीए का % {छ/ग}	xxx (लागत पत्रक में वेतन घटक पर लागू)
प्रचालन व्यय में वर्कशाप, इंजीनियरिंग एवं भंडार उपरिव्ययों का % {(घ+ड)/ग}	xxx (आर एंड एम, बिजली और भंडारों उपभोज्यों पर लागू)

- (ii). यह एमजीए उपरिव्ययों और वर्कशाप तथा भंडारों के लिए पृथक उपरिव्यय वसूली दरों से स्पष्ट है। उपरिव्यय निर्धारित किए गए थे और प्रत्यक्ष व्यय घटकों जैसे वेतन, आर एंड एम पुर्जे, ईंधन और अन्य उपभोज्य भंडारों पर अलग-से लागू किए गए थे। इसलिए, दावा कि उपरिव्यय वसूली दरें दोगुनी लागू करना सही नहीं है जैसाकि महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण द्वारा राय व्यक्त की गई है पिछले 3 वर्षों के लिए एमजीए गणना संलग्न है।
- (iii). समयोपरि प्रभारों के संबंध में यह बताया गया है कि वीपीटी शुष्क गोदी केवल सामान्य पारी में कार्य करती है और सामान्य पारी अर्थात् सोमवार से बृहस्पतिवार 07.00 से 16.30 बजे तक, शुक्रवार को 07.00 बजे से और रविवार को 07.00 बजे से 12.00 बजे तक और स्टॉफ का संख्या, तदनुसार, केवल एकल पारी के लिए बनाए रखी गई है। औद्योगिक नियमावली/फैक्टरी अधिनियम के अनुसार रविवार अवकाश दिवस/साप्ताहिक छुट्टी है। इसलिए, उपयोक्ताओं के अनुरोध पर सामान्य पारी घंटों के बाद स्टॉफ को काम पर लगाए जाने की आवश्यकता पड़ती है तो स्टॉफ को भुगतान किया गया समयोपरि प्रभार उपयोक्ताओं से वास्तविकताओं पर वसूल किए जाएंगे।
- (iv). 2रें गोदीकरण प्रभारों के संबंध में, यह बताया गया है कि रु 47000/- की दर और इसका ब्रेकअप निम्नवत् हैं:-
- | | | |
|------------------------|---|----------|
| लेबर प्रभार | — | रु 19200 |
| गोदी सफाई प्रभार | — | रु 7400 |
| पानी निकालने के प्रभार | — | रु 21150 |
| कुल | — | रु 47750 |

तथापि, वीपीटी पत्र सं. एफए/लागत/शुष्क गोदीकरण/37 दिनांक 27 जुलाई 2009 द्वारा उपर्युक्त रु 47000/- की बजाय केवल प्रथम गोदीकरण प्रभारों का 50 प्रतिशत वसूल करने के लिए अपनी स्वीकृति पहले ही संप्रेषित कर चुका है।

- (v). क्रेन किराया प्रभारों के संबंध में, वीपीटी प्रस्तावित दरों की बजाय दोबारा भेजे गए दरमान में यथा मौजूद इन्हीं दरों के लिए सहमत है।

6.2. तत्पश्चात्, वीपीटी ने प्रखंड तैयारी से रु 0.70 लाख और प्रशुल्क के प्रस्तावित स्तर पर अर्जित किए जाने वाले किराये से 30 32.33 लाख प्रतिवर्ष की अतिरिक्त आय दर्शाई है।

7. इस मामले में परामर्श संबंधी कार्यवाहियां इस प्राधिकरण के कार्यालय में अभिलेखों में उपलब्ध हैं। प्राप्त हुई टिप्पणियों का सार प्रासंगिक पक्षों को अलग-से भेजा जाएगा। ये ब्योरे हमारी वेबसाइट <http://tariffauthority.gov.in> पर भी उपलब्ध करवाए जाएंगे।

8. इस मामले की कार्यवाही के दौरान एकत्र की गई समग्र सूचना के संदर्भ में, निम्नलिखित स्थिति प्रकट होती है:-

- (i). पत्तन ने बताया है कि शुष्क गोदीकरण सुविधा शुरू में पत्तन के स्वामित्व वाले पोतों तक सीमित थी। तथापि, चूंकि शुष्क गोदीकरण सुविधा को अन्य पोतों तक बढ़ाए जाने का निर्णय लिया गया है और शुष्क गोदी की अनुश्रुति लागत बढ़ गई है, इसलिए पत्तन संदर्भित प्रस्ताव लेकर आया है। वीपीटी के दरमान में निर्धारित वर्तमान शुष्क गोदीकरण प्रभार पिछली बार 2001 में संशोधित किया गया संदर्भित प्रस्ताव में, पत्तन ने न केवल मौजूदा शुष्क गोदीकरण किराया प्रभारों का ऊर्ध्वमुखी संशोधन प्रस्तावित किया है अपितु कुछ नए प्रभार भी प्रस्तावित किए हैं।
- (ii). यह उल्लेखनीय है कि 2006 में वीपीटी के प्रशुल्क के पिछले सामान्य संशोधन के दौरान, हालांकि समग्र पत्तन अधिशेष स्थिति दर्शाता है, पत्तन और गोदी सुविधा जिसके अंतर्गत शुष्क गोदी गतिविधि के परिणाम लिए गए हैं, 5.82 प्रतिशत का घाटा दर्शाया था। हालांकि शुष्क गोदी गतिविधि के लिए लागत स्थिति अलग-से निर्धारित नहीं की गई थी, परन्तु इस गतिविधि से प्रतिवेदित आय शुष्क गोदी सेवा के लिए अनुमानित व्यय की तुलना में नगण्य थी। विभिन्न गतिविधियों और उप-गतिविधियों के बीच प्रति-सहायिकीकरण के प्रवाह को स्वीकार करते हुए, वीपीटी के प्रशुल्क में ऊर्ध्वमुखी संशोधन नहीं किया गया था, सिवाय प्रशुल्क ढांचे के युक्तिकरण के लेखा पर कुछ प्रभारों के। शुष्क गोदी प्रभारों के पुनः निर्धारित करने पर उस स्थिति में जोर नहीं दिया गया था क्योंकि यह सुविधा शुरू में केवल पत्तन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए थी। प्रति-सहायिकीकरण का लाभ सामान्यतः उसी उपयोक्ता समूहों में रहेगा। शुष्क गोदियों के अब अन्य पोतों के लिए भी इस्तेमाल किए जाने की वजह से, यदि प्रशुल्क शोधन नहीं किया जाता है तो शुष्क गोदी उपयोक्ताओं का विशेष हिस्सा अन्य उपयोक्ता समूहों की लागत पर लाभ प्राप्त करेगा।
- (iii). वीपीटी ने शुष्क गोदीकरण गतिविधि के लिए पृथक लागत विवरण भेजा है और पुष्टि की है कि लागत विवरण में लागत तत्वों को दोहराया नहीं गया है। तथापि, वीपीटी द्वारा किए गए दावे को सत्यापित करना मुश्किल है कि जब

ऐसे विवरण की अलग-से जांच की जाती है और पत्तन प्रशुल्क के हिस्से के रूप में बृहत रूप से सामान्य संशोधन नहीं किया गया है। इसके अलावा, लागत विवरण की जांच करने पर, यह पाया गया है कि शुष्क गोदीकरण गतिविधि के अंतर्गत अलग-अलग सेवाओं के लिए पत्तन द्वारा अनुमानित व्ययों की राशि शुष्क गोदी गतिविधि के लिए लागत विवरण में प्रतिवेदित समेकित व्ययों से मेल नहीं खाती है। शायद अन्तर हो सकता है क्योंकि समग्र शुष्क गोदीकरण गतिविधि में फिशिंग हारबर में शुष्क गोदीकरण भी शामिल है जिसे वर्तमान प्रस्ताव में नहीं लिया गया है। शुष्क गोदी गतिविधि के लिए समेकित विवरण और वैयक्तिक सेवाओं के लिए प्रस्तुत किए गए लागत विवरण के बीच कोई अंतर्संबंध नहीं है, इसलिए शुष्क गोदीकरण गतिविधि के लिए पत्तन द्वारा प्रेषित लागत विवरण किसी प्रयोजन को पूरा नहीं करता है। प्रस्तावित दरों के समर्थन में पत्तन द्वारा प्रेषित आंतरिक हारबर में शुष्क गोदीकरण के अधीन वैयक्तिक सेवाओं के लिए पृथक लागत गणना इस विश्लेषण के प्रयोजन के लिए सुविचारित की गई है।

(iv). प्रत्येक मद के लिए प्रस्तावित दर के समर्थन में वीपीटी द्वारा प्रेषित लागत गणनाएं नीचे दिशलेषित की गई हैं:-

(क). गोदी किराया/विराम प्रभार:

ओआरएस शुष्क गोदी में डॉक किए गए पोत के लिए प्रभारित वर्तमान किराया/विराम प्रभारों में प्रस्तावित वृद्धि लगभग 142 प्रतिशत है। वीपीटी ने पोत के विराम से पहले दिन से 14वें दिन तक रु0 53350/- प्रतिदिन की प्रस्तावित दर के समर्थन में लागत पत्रक प्रेषित किया है। प्रस्तावित दर पर पहुंचने के लिए, वीपीटी ने शुष्क गोदी की पूंजी लागत को दोहराया है। प्रचालन व्यय जैसे मरम्मत, मूल्यहास और प्रतिलाभ दोहराए गए मूल्य के आधार पर परिकलित किए गए हैं। यह उल्लेखनीय है कि शुष्क गोदी पत्तन द्वारा यथा प्रतिवेदित, 1950 से मौजूद है। यह उल्लेखनीय है कि प्रशुल्क दिशानिर्देशों द्वारा स्वीकृत लागत जमा दृष्टिकोण परिसंपत्ति के लिखित मूल्य पर विचार करने की अपेक्षा करता है। 31 मार्च 2009 को रु0 1.07 करोड़ पर पत्तन द्वारा प्रतिवेदित शुष्क गोदी परिसंपत्ति के निवल मूल्य पर विचार किया गया है। तदनुसार, 16 प्रतिशत की दर से परिसंपत्ति पर प्रतिलाभ और मूल्यहास परिसंपत्ति के लिखित मूल्य पर परिगणित किया गया है। प्रचालन लागतों में किए गए अन्य संशोधनों पर नीचे चर्चा की गई है:-

(i). वीपीटी ने परिसंपत्ति के पुनः उल्लिखित पूंजी मूल्य पर 3.33 प्रतिशत लागू करते हुए रु0 21.65 लाख मरम्मत लागत का अनुमान लगाया है। अनुमानित मरम्मत व्ययों को तर्कसंगत ठहराने के लिए, वीपीटी ने बताया है कि शुष्क गोदी गतिविधि के लिए नियमित मरम्मत व्यय वर्ष 2008-09 के दौरान रु0 45000/- रहा है। इसके अलावा, वीपीटी ने बताया है कि वर्ष 2007-08 और 2008-09 के दौरान किए गए एकमुश्त मरम्मत व्यय राशि रु0 65.95 लाख 3 वर्षों की अवधि में प्रभाजित किए गए हैं और मरम्मत लागत के हिस्से के रूप में सुविचारित किया गया है।

वीपीटी ने एकमुश्त व्ययों को केवल 3 वर्षों की अवधि में प्रभाजित किए जाने के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। परिकल्पित करते हुए कि एकमुश्त मरम्मतों से होने वाले लाभ लम्बी समयावधि के लिए होगा और यह भी परिकल्पित करते हुए कि पत्तन को प्रत्येक पांच वर्षों में एक बार इसी तरह के एक बार के व्यय करने होंगे, इसलिए वीपीटी द्वारा प्रेषित एक बार की मरम्मत लागत 5 वर्षों की अवधि में प्रभाजित की गई है। वर्ष 2008-09 के लिए वास्तविक मरम्मत लागत में वर्ष 2009-10 के लिए नियमित मरम्मत लागत पर पहुंचने के लिए (वर्ष 2009-10 के दौरान सुविचारित वृद्धि कारक के आधार पर) 5.8 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है। तदनुसार, कुल अनुमानित मरम्मत लागत रु0 13.67 लाख परिगणित की गई है।

(ii). अनुमानित वेतन और मजदूरी लागत में लंबित मजदूरी संशोधन के लेखा पर 25 प्रतिशत की वृद्धि शामिल है। मजदूरी संशोधन का प्रभाव सभी महापत्तन न्यासों के लिए हाल ही में घोषित मजदूरी बढ़ोतरी के आधार पर संशोधित कर 23 प्रतिशत किया गया है।

(iii). वीपीटी ने वेतनों की लागत के 20.54 प्रतिशत की दर से प्रबंधन और सामान्य उपरिव्यय परिकलित किया है और वर्ष 2007-08 के लिए वास्तविक आंकड़ों के संदर्भ में आधार स्पष्ट किया है जिसपर विश्वास किया गया है। प्रबंधन और सामान्य उपरिव्यय संशोधित मजदूरी लागत के 20.54 प्रतिशत की दर से सुविचारित किया गया है।

(iv). तेलों, ल्यूबरिकेंट्स और बिजली आदि के मामले में गणनाओं के अभाव में, वीपीटी द्वारा यथा प्रेषित अनुमान इस विश्लेषण में सुविचारित किया गया है।

(v). वीपीटी ने मरम्मतों, तेल और बिजली लागत के 10.27 प्रतिशत की दर से वर्कशाप, भंडार और सामान्य उपरिव्यय परिकलित किए हैं। चूंकि वीपीटी ने वर्ष 2007-08 के वास्तविक आंकड़ों के आधार पर इस प्रतिशत से विपथन किया है, इसलिए, इसपर विश्वास किया गया है।

(vi). वीपीटी ने गोदी के कार्यदिवसों की संख्या 310 दिन (रविवार अतिरिक्त) पर विचार किया है। पत्तन द्वारा अनुमानित पोतों की संख्या और गोदी में पोतों के औसत विराम को ध्यान में रखते हुए, पत्तन द्वारा सुविचारित कार्यदिवसों की संख्या ज्यादा दिखाई देती है। 2008 के अपफ्रंट प्रशुल्क दिशानिर्देश 70 प्रतिशत पर सर्वोत्तम उपयोग निर्धारित करता है जिसे विभिन्न महापत्तनों के मामले में मोबाइल हारबर क्रेनों का किराया प्रभार निर्धारित करते समय लागू किया गया है। तदनुसार, इस मामले में भी

कार्यदिवसों की संख्या प्रतिदिन किराया प्रभारों पर पहुंचने के लिए 256 दिनों पर विचार किया गया है।

- (vii). गोदी किराया/विराम प्रभारों के लिए लागत विवरण अनुलग्नक-I रूप में संलग्न किया गया है। संशोधित गणना के अनुसार, गोदी किराया/पोत के विराम के लिए प्रभार रु0 27967/- परिगणित किए गए हैं जोकि प्रथम 14 दिनों की वर्तमान दरों से 25 प्रतिशत ज्यादा है। अनुवर्ती दो स्लैबों के लिए दरें वीपीटी द्वारा यथा प्रस्तावित प्रथम स्लैब के संदर्भ में प्रतिशत वृद्धि बनाए रखने के लिए निर्धारित की गई हैं।

- (ख). गोदीकरण और अगोदीकरण प्रभार:

वीपीटी ने यह सेवा ऑफर करने की लागत के आधार पर प्रस्तावित दर परिकलित की है। मजदूरी लागत को प्रशुल्क की पूर्व मद के अधीन यथा स्पष्ट की गई इन्हीं लाइनों पर संशोधित किया गया है।

वीपीटी ने बिजली की रु0 6.20 प्रति इकाई की दर जमा बिजली शुल्क के रूप में रु0 0.06 प्रति इकाई जमा पानी पम्पिंग के लिए 25 प्रतिशत अधिभार पर विचार किया है। पत्तन ने बताया है कि बिजली उपभोग को मॉनीटर करने के लिए शुष्क गोदी में अलग-से एक मीटर लगाया गया है और इसलिए पोत स्वामी को बिजली उपभोग और रु0 20/- के मीटर प्रभारों के अलावा बिजली शुल्क और अधिभार वहन करना होगा। विशिष्ट अनुरोध के बावजूद पत्तन ने 25 प्रतिशत की दर से अधिभार की वसूली, पत्तन द्वारा यथा दावाकृत, प्रमाणित करने के लिए प्रासंगिक बिजली बिल की प्रतियां नहीं भेजी हैं। यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि वर्ष 2008-09 और 2009-10 में निर्णीत वीपीटी में विभिन्न वीपीपी परियोजनाओं के लिए अप्रकट प्रशुल्क निर्धारित करते समय सुविचारित बिजली की इकाई दर रु0 6.20 है जो पत्तन द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजी प्रमाण पर आधारित थे। ऐसी स्थिति में, पानी बाहर निकालने के लिए बिजली लागत रु0 6.20 की इकाई दर पर अनुमानित की गई है। 1 प्रतिशत बिजली शुल्क भी स्वीकृत किया गया है। चूंकि वीपीटी ने पुष्टि की है कि बिजली मीटर संस्थापित किया गया है, इसलिए मीटर प्रभार भी लागू किए गए हैं।

गोदीकरण और अगोदीकरण के लिए लागत विवरण अनुलग्नक-II रूप में संलग्न किया गया है। लागत विवरण के अनुसार, प्रथम गोदीकरण के लिए प्रभार रु0 43123 प्रति पोत परिगणित होता है जिसे अनुमोदित नहीं किया गया है।

प्रारंभ में, वीपीटी ने नौसेना और तट रक्षक पोतों के लिए द्वितीय गोदीकरण प्रभारों के लिए रु0 47000/- की अतिरिक्त दर प्रस्तावित की थी। तत्पश्चात्, पत्तन ने यह उद्धरित करते हुए प्रथम गोदीकरण प्रभारों के 50 प्रतिशत पर द्वितीय गोदीकरण प्रभार प्रस्तावित किए हैं कि अपेक्षित लेबर और सामान प्रथम गोदीकरण की तुलना में कम होगा। द्वितीय गोदीकरण सेवा के लिए लागत में कटौती की मात्रा किसी गणना से तर्कसंगत नहीं ठहराई गई है। तथापि, द्वितीय गोदीकरण के लिए प्रशुल्क प्रथम गोदीकरण प्रभारों (अर्थात् रु0 21562 प्रति पोत) के लिए अनुमोदित प्रभार के 50 प्रतिशत पर अनुमोदित किया गया है। द्वितीय गोदीकरण प्रभार द्वितीय गोदीकरण सुविधा प्राप्त करने वाले सभी पोतों पर लागू होंगे।

पत्तन को अगले प्रशुल्क संशोधन के समय ऐसी सेवाओं की लागत के संदर्भ में द्वितीय गोदीकरण के लिए भली प्रकार से विश्लेषित प्रस्ताव तैयार करने की सलाह दी जाती है।

- (ग). यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि अन्य महापत्तन न्यासों जैसे मुम्बई पत्तन न्यास (एमबीपीटी) और कोलकाता पत्तन न्यास (केओपीटी) के दरमान में शुष्क गोदियों के उपयोग के लिए प्रभार अर्थात् किराया प्रभार, गोदीकरण और अगोदीकरण प्रभार पोतों के जीआरटी के आधार पर निर्धारित किए गए हैं और तटीय पोत के लिए निर्धारित रियायती प्रशुल्क के साथ डॉलर रूप में विदेशगामी पोत के लिए पृथक प्रशुल्क निर्धारित किए गए हैं।

वीपीटी के मामले में, वर्तमान किराया प्रभार जीआरटी से बिना जोड़े प्रतिदिन प्रति पोत पर निर्धारित किए गए हैं और पत्तन ने लेवी की वर्तमान इकाई को जारी रखने का प्रस्ताव किया है। प्रस्तावित गोदीकरण/अगोदीकरण प्रभार भी पोतों के जीआरटी पर आधारित नहीं है।

जैसाकि पहले बताया गया है, शुष्क गोदी सुविधा प्रारंभ में केवल पत्तन की जरूरतों को पूरा कर रही थी। अब है कि पत्तन ने अन्य पोतों द्वारा भी इस सुविधा का उपयोग किए जाने का अनुमान लगाया है। ऐसी स्थिति में यह प्राधिकरण पोतों के जीआरटी के आधार पर दरों के निर्धारण के लिए जोर नहीं देना चाहता है।

पत्तन ने उक्त सेवाओं के लिए विदेशगामी और तटीय पोतों के लिए पृथक दरें प्रस्तावित नहीं की हैं। चूंकि पत्तन ने मुख्यतः नौसेना और तट रक्षक पोतों को व्यवस्थित करने का प्रस्ताव किया है, इसलिए किराया और गोदीकरण/अगोदीकरण प्रभारों के लिए ऐसी विपथित दरों को तटीय पोतों के लिए लागू दर के रूप में माना जाए। हालांकि विदेशगामी पोत के लिए पृथक दर निर्धारित की जाए जब पोत पत्तन को भविष्य में शुष्क गोदीकरण सुविधा के लिए कहता है। विदेशगामी पोत के लिए दर विदेशगामी और तटीय पोत के बीच दरों में अन्तर के उल्लिखित स्तर को बनाए रखते हुए और 1 अमेरिकी डॉलर — रु० 46.84 की प्रचलित विनिमय दर लागू करते हुए विपथित की गई है। इसका कोई महत्वपूर्ण वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि वीपीटी ने मुख्यतः नौसेना और तट रक्षक पोतों का अनुमान लगाया है।

पत्तन को सलाह दी जाती है कि ऐसे प्रचालन से प्राप्त किए गए अनुमान के आधार पर इसके दरमान के अगले सामान्य संशोधन के समय पोतों के जीआरटी के संदर्भ में विदेशगामी और तटीय पोत के लिए अलग-से गोदीकरण/अगोदीकरण प्रभारों और गोदी किराये के लिए उपयुक्त दरों का प्रस्ताव करें।

(घ). शुष्क प्रखंड तैयारी प्रभार:

वीपीटी ने 50 मीटर से कम आकार वाले समतल तल वालों के लिए रु० 70000/- और 50 मीटर से कम माप वाले आकृति वाले पोतों के लिए रु० 120000/- की दरें प्रस्तावित की हैं जो पोत के आकार के साथ बढ़ जाती हैं।

- (i). लागत में मुख्यतः 2 दिनों की अवधि के लिए गोदी प्रखंड तैयार करने से जुड़े कर्मचारियों की विभिन्न श्रेणियों की वेतन और मजदूरी, 2 दिनों के लिए 2 गोताखोरों की लागत और लकड़ी के प्लांकों और नेलों की लागत शामिल है।
- (ii). प्रखंड तैयारी के लिए प्रयुक्त सामग्रियों की रिसाइकलिंग के बारे में टिप्पणी की गई थी। पत्तन ने स्पष्ट किया है कि सामग्रियों का पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता क्योंकि वे प्रथम उपयोग के दौरान ही नष्ट हो जाएंगे। पत्तन द्वारा स्पष्ट की गई स्थिति पर विश्वास किया गया है।
- (iii). उपर्युक्त संशोधन के अधीन, गोदी प्रखंड तैयारी के लिए प्रभारों के लिए इकाई दर समतल तल पोत के लिए रु० 70498 और आकृति वाले पोतों के लिए रु० 123772 परिगणित होता है। लागत विवरण की प्रति अनुलग्नक-III रूप में संलग्न की गई है। इसलिए, 50 मीटर से कम के समतल और आकृति वाले पोतों के लिए रु० 70,000 और 1,20,000 पर वीपीटी द्वारा प्रस्तावित दर अनुमोदित की गई है। इस आधार पर कि उपयोग किए जाने वाले प्रखंडों की संख्या पोत के आकार और पोत के पानी में डुबे भाग पर निर्भर करते हुए भिन्न होगी, संवर्धनात्मक दरें 50 से 100 मीटर के बीच के और कि 100 मीटर से अधिक के समतल तल और आकृति वाले पोतों के लिए प्रस्तावित की गई है, इसे भी अनुमोदित किया गया है। इस संबंध में, यह उल्लेखनीय है कि भारतीय तट रक्षक को भी जलयानों की विभिन्न लम्बाई के लिए शुष्क गोदी तैयारी के लिए प्रस्तावित दर उपयुक्त लगती है।

(ङ). प्रखंड स्थानांतरण प्रभार:

पत्तन ने प्रोद्भूत किए गए वास्तविकताओं के आधार पर प्रखंड स्थानांतरण प्रभारों की वसूली का प्रस्ताव किया है। जब विशिष्ट प्रस्तावित करने के लिए कहा गया था, तब पत्तन ने बताया था कि प्रखंड स्थानांतरण केवल उन्हीं मामलों में किया जा रहा है जहां पोतों से तल पर पेंटिंग करने की अपेक्षा की जाती है और ऐसे प्रखंड स्थानांतरण पोत के आकार और प्रकार पर निर्भर करते हैं, इस सेवा के लिए विशिष्ट दर प्रस्तावित करने में पत्तन द्वारा अभिव्यक्त मुश्किल के मद्देनजर, वास्तविकताओं पर उपयोक्ताओं से वसूली करने का वीपीटी का प्रस्ताव कुछ समय के लिए स्वीकार किया गया है। तथापि, पत्तन को पिछले 2 वर्षों में ऐसे प्रचालन से हुए लाभ के आधार पर स्थानांतरण प्रखंडों के लिए शामिल लागत के परिमाणन का प्रयास करना चाहिए और पत्तन के लिए प्रशुल्क के अवलंबित सामान्य संशोधन के समय उपयुक्त दरों का प्रस्ताव करना चाहिए।

(च). स्टॉफ का समयोपरि:

वीपीटी ने दावा किया है कि शुष्क गोदी केवल सामान्य पारी में कार्य करती है और स्टाफ संख्या, तदनुसार, केवल एकल पारी के लिए बनाए रखी गई है। इसलिए, पत्तन ने वास्तविकताओं के आधार पर समयोपरि प्रभार वसूल करने का प्रस्ताव किया है, यदि गोदीकरण/अगोदीकरण सामान्य कार्य घंटों के बाद किया जाता है। यह प्राधिकरण सामान्यतः पृथक समयोपरि प्रभार निर्धारित करने के पक्ष में नहीं रहता है क्योंकि पत्तनों से हर समय सेवाएं प्रदान करने की अपेक्षा की जाती है। इसके अलावा, कार्य के विस्तारित घंटों में भी इस प्रशुल्क मद से पत्तन द्वारा मूल प्रभार वसूल किए जाते हैं। उपर्युक्त के मद्देनजर, यह प्राधिकरण सामान्य कार्य घंटों के बाद कार्य करने के लिए वास्तविकताओं के आधार पर समयोपरि प्रभारों की वसूली के लिए पत्तन का प्रस्ताव अनुमोदित करने के लिए प्रवृत्त है। यह उल्लेखनीय है कि इस प्राधिकरण ने फ्लोटिंग क्रैनों के उपयोग के लिए समयोपरि प्रभारों की वसूली के लिए पत्तन द्वारा दाखिल किए गए दूसरे पृथक प्रस्ताव और मई 2006 में पहले भी समयोपरि प्रभारों की वसूली के लिए पत्तन के प्रस्ताव को अनुमोदित किया था।

- (v). पत्तन ने किराये और गोदी प्रखंड तैयारी प्रभारों के लिए प्रस्तावित प्रशुल्क के आधार पर रु0 33.03 लाख प्रतिवर्ष की अतिरिक्त आय का अनुमान लगाया है। पत्तन ने शामिल किए जाने के लिए प्रस्तावित अन्य नई प्रशुल्क मदों से अतिरिक्त आय का अनुमान नहीं लगाया है। हमारे निर्धारण के अनुसार, किराया प्रभारों और नई प्रशुल्क मदों के लिए अनुमोदित प्रशुल्क वृद्धि पर प्रोद्भूत होने की संभावना वाली अतिरिक्त आय शुष्क गोदी सुविधा प्राप्त करने के लिए अनुमानित 6 संख्या पोतों के आधार पर लगभग रु0 11.18 लाख प्रतिवर्ष होगी। किसी भी मामले में, यह गतिविधि इसके सामान्य संशोधन प्रस्ताव, जिसके लिए कार्यवाही पहले ही शुरू की जा चुकी है, में समग्र पत्तन के लिए लागत स्थिति निर्धारित करते समय शामिल की जाएगी।
- (vi). हमारे प्रश्नों पर जवाब भेजते समय वीपीटी प्रस्तावित क्रेन किराया प्रभारों में वृद्धि वापस लेने और वीपीटी के मौजूदा दरमान के खंड 5 के अधीन उप-खंड 5.5 की मद सं. (i) में निर्धारित दरों पर प्रभार जारी रखने के लिए सहमत था।
- (vii). वर्तमान दरमान में निर्धारित किरायों/विराम के लिए शर्तें बनाए रखी गई हैं। वीपीटी ने नई प्रशुल्क मदों को शासित करने वाली शर्तों का प्रस्ताव नहीं किया है। कार्यवाही के दौरान वीपीटी द्वारा प्रेषित टिप्पणियों के आधार पर, गोदी प्रखंड तैयारी में शामिल की गई सेवाएं विनिर्दिष्ट करने वाला नोट शामिल किया गया है। यह स्पष्ट रूप से बताया गया है कि प्रभारों में कील प्रखंडों की तैयारी के लिए सामग्रियों सहित सभी लागत शामिल हैं और बिल्ज प्रखंडों की तैयारी के लिए सामग्रियों को शामिल नहीं किया गया है।
- (viii). प्रशुल्क दिशानिर्देश 3 वर्षों का प्रशुल्क वैधता चक्र विनिर्दिष्ट करते हैं। जैसाकि पहले बताया गया है, यह सुनिश्चित करना मुश्किल होगा कि जब प्रस्ताव की अलग-से जांच की गई थी तब लागत तत्वों को दोहराया नहीं गया था। इसलिए, इसके दरमान में निर्धारित अन्य प्रशुल्क मदों की समीक्षा के साथ इस प्रशुल्क मद की समीक्षा करना उपयुक्त होगा। ऐसी स्थिति में, शुष्क गोदीकरण गतिविधि के लिए अनुमोदित प्रशुल्क की वैधता इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित (किए जाने वाले) वीपीटी के संशोधित दरमान की वैधता तक निर्धारित की गई है।

9.1. परिणामस्वरूप, और उपर्युक्त कारणों से, और समग्र विचार-विमर्श के आधार पर, वीपीटी के दरमान में मौजूदा खंड 7.6.1 निम्नलिखित से परिवर्तित किया गया है:-

परिवर्तित किया गया है:-

7.6.1. विशाखापत्तनम आंतरिक हारबर:

7.6.1.1. विशाखापत्तनम आंतरिक हारबर में शुष्क गोदी के उपयोग के लिए:

मद	विवरण	इकाई	विदेशगामी पोत (ओडाओ में)	तटीय पोत (रु0 में)
1.	पहले दिन से 14वें दिन तक	प्रतिदिन	995.13	27967.00
2.	15वें दिन से 30वें दिन तक	-वही-	1492.21	41937.00
3.	31वें दिन से आगे	-वही-	1990.25	55934.00

टिप्पणियां:

- (1). उपर्युक्त प्रभारों में शिपराइट और पम्पिंग प्रभार शामिल हैं परंतु स्वच्छ जल, बिजली लाइटों और अन्य सुविधाओं की आपूर्ति के लिए प्रभार शामिल नहीं है।
- (2). समय की गणना जब पत्तन का कोई हिस्सा प्रवेश के समय गेट लाइन को पार करता है से जब समग्र पात गेट लाइन से निकलने और डैक छोड़ने तक के क्षण तक की गई है।
- (3). दिन अर्थात् टिप्पणी 2 में निर्धारित समय से परिकलित 24 घंटे अथवा उसका भाग की अवधि।
- (4). पत्तन का यह अपना क्षेत्राधिकार है कि वह उसी समय एक से ज्यादा पोत के लिए शुष्क गोदी के इस्तेमाल की अनुमति है। ऐसे अवसरों पर, पोत का गोदी प्रभार, जो अन्य पोत अथवा पोतों के अलावा उसकी मरम्मत पूरी होने से पहले पूरा किया जाता है और जिसका गोदीकरण लंबित हो, बाद में मरम्मत के पूरा नहीं होने की वजह से, उस दिन की समाप्ति तक वसूल किया जाएगा जब उस पोत पर कार्य पूरा हो जाता है। कार्य पूरा होने अथवा पोत विशेष के बीच और सभी पोतों को अंतिम रूप से डैक छोड़ने के बीच का समय 'डाइज-नॉन' माना जाएगा।
- (5). जब गोदी का उपयोग निजी पक्षों अथवा सरकार के अन्य विभागों अथवा पत्तन से संबंधित दो अथवा अधिक क्रॉफ्टों द्वारा समान्तर रूप से उपयोग किया जाता है तो कुल प्रभार अनुपाततः वसूल किए जा सकते हैं, अनुपात का निर्णय अभिग्रहीत तल क्षेत्र के आधार पर वीपीटी द्वारा किया जाएगा परन्तु प्रत्येक पोत के लिए निर्धारित आधे प्रभारों से कम की सीमा तक नहीं। प्रभारों के प्रभाजन में वीपीटी का निर्णय अंतिम होगा।

7.6.1.2. शुष्क प्रखंड तैयारी प्रभार:

(रु0 में प्रति पोत)

पोत की लम्बाई	< 50 मी0	50 - 100 मी0	> 100 मी0
समतल तल पोत	70000	87500	105000
आकृति वाले पोत	120000	160000	200000

टिप्पणियाँ:

शुष्क प्रखंड तैयारी प्रभारों में कील प्रखंडों की तैयारी के लिए सामग्रियों सहित सभी लागत शामिल हैं। उपर्युक्त प्रभारों में बिल्ज प्रखंडों की तैयारी शामिल नहीं है जिसके लिए पोत स्वामी द्वारा आपूर्ति किए जाने के लिए सामग्रियों की आवश्यकता होती है।

7.6.1.3. समेकित गोदीकरण और अगोदीकरण प्रभार:

- (i). समेकित गोदीकरण और अगोदीकरण प्रभार अमेरिकी डॉलर 2117.95 प्रति विदेशगामी पोत और रु0 59523/- प्रति तटीय पोत वसूल किए जाएंगे।
- (ii). द्वितीय गोदीकरण के मामले में, अमेरिकी डॉलर 767.22 प्रति विदेशगामी पोत और रु0 21562/- प्रति तटीय पोत की दर वसूल की जाएगी।

7.6.1.4. प्रखंड स्थानांतरण प्रभार:

प्रखंड स्थानांतरण प्रभार वास्तविकताओं के आधार पर वसूल किए जाएंगे।

9.2. वीपीटी के दरमान में यह संशोधन भारत के राजपत्र में इस आदेश की अधिसूचना की तारीख से 30 दिनों की समाप्ति के बाद प्रभावी होगा।

रानी जाधव, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III/4/143/10-असा.]

अनुलग्नक - I

गोदी किराया प्रभारों के निर्धारण के लिए लागत पत्रक

विवरण	(राशि रु0 में)	
	वीपीटी द्वारा यथा दिया गया	हमारे द्वारा यथा संशोधित
पूंजी लागत	65000000	10694055
परिसंपत्ति का जीवनकाल (वर्षों में)	75	15
कार्यदिवसों की सं. प्रतिवर्ष	310	256
निर्धारित लागत:		
— निवेश पर प्रतिलाभ (परिसंपत्ति की मूल लागत का 16 प्रतिशत)	10400000	1711049
— मूल्यह्रास	866667	1057000
क) परिवर्तनीय लागत:	11266667	2768049
— मरम्मतें और नवीकरण (मूल पूंजी लागत पर 3.33 प्रतिशत)	2164500	1366719
— वेतन (लंबित मजदूरी संशोधन के लेखा पर 23 प्रतिशत की दर से बढ़ी हुई वेतन सहित)	1357958	1336230
— प्रबंधन और सामान्य प्रशासन उपरिव्यय (वेतन लागत का 20.54 प्रतिशत)	278925	274462
— तेल, ल्यूबरिकेंट्स और अन्य उपभोग्य	732230	732230
— बिजली	422960	422960
— वर्कशाप, भंडार और सामान्य उपरिव्यय (मरम्मतों, तेलों और बिजली का 10.27 प्रतिशत)	322674	259000
ख) कुल लागत प्रतिवर्ष (क + ख)	5279247	4391600
कुल लागत प्रतिदिन	16545913	7159649
अर्थात्	53374	27967
	53350	27967

अनुलग्नक - II

गोदीकरण और अगोदीकरण के लिए समेकित प्रभार

विवरण	(राशि ₹0 में)	
	वीपीटी द्वारा यथा दिया गया	हमारे द्वारा यथा संशोधित
बोनस, एलएससी और पीसी सहित गोदीकरण लेबर वेतन	15345.77	15345.77
जोड़ें: 23 प्रतिशत लंबित मजदूरी संशोधन के लेखा पर वेतन में वृद्धि	3836.44	3529.53
अर्थात्	19182.21 19200	18875.30 18875
बोनस, एसएससी और पीसी सहित अगोदीकरण लेबर वेतन	7377.43	7377.43
जोड़ें: 23 प्रतिशत लंबित मजदूरी संशोधन के लेखा पर वेतन में वृद्धि	1844.36	1696.81
अर्थात्	9221.79 9200	9074.24 9074
बोनस, एलएससी और पीसी सहित गोदी सफाई लेबर वेतन	5955.75	5955.75
जोड़ें: 23 प्रतिशत लंबित मजदूरी संशोधन के लेखा पर वेतन में वृद्धि	1488.94	1369.82
अर्थात्	7444.69 7400	7325.57 7326
पानी निकालने के प्रभार		
पम्पिंग प्रभार (2 पम्प * 15 घंटे प्रति पम्प * 90 इकाईयां * ₹0 6.20 प्रति इकाई)	16902	16902
अधिभार @ 25%	4226	0
मीटर प्रभार	20	20
अर्थात्	21148 21150	16922 16922

समेकित प्रभार (वीपीटी द्वारा दिए गए अनुसार)

	गोदीकरण	अगोदीकरण	कुल
लेबर	19200	9200	28400
गोदी सफाई प्रभार	7400	7400	14800
पानी निकालने के प्रभार	21150	0	21150
अर्थात्	47750	16600	64350 64000

समेकित प्रभार (हमारे द्वारा यथा संशोधित)

	गोदीकरण	अगोदीकरण	कुल
लेबर	18875	9074	27950
गोदी सफाई प्रभार	7326	7326	14651
पानी निकालने के प्रभार	16922	0	16922
अर्थात्	43123	16400	59523 59523

अनुलग्नक - III

गोदी प्रखंड तैयारी प्रभार (समतल तल पोत)

विवरण	(राशि रु० में)	
	वीपीटी द्वारा यथा दिया गया	हमारे द्वारा यथा संशोधित
बोनस, एलएससी और पीसी सहित कुल वेतन (2 दिनों के लिए)	31909.18	31909.18
जोड़ें: लंबित मजदूरी संशोधन के लेखा पर 23 प्रतिशत की दर से वेतन में वृद्धि	7977.30	7339.11
	39886.48	39248.29
जोड़ें:		
2 दिनों के लिए 2 गोताखोरों की लागत (रु० 1000 प्रति कॉल * 2 गोताखोर * 2 दिन)	4000.00	4000.00
लकड़ी के प्लांकों और नेलों की लागत	27250.00	27250.00
गुष्क गोदी तैयारी के लिए कुल लागत	71136.48	70498.29
अर्थात्	70000.00	70000.00

गोदी प्रखंड तैयारी प्रभार (आकृति वाले पोत)

विवरण	(राशि रु० में)	
	वीपीटी द्वारा यथा दिया गया	हमारे द्वारा यथा संशोधित
बोनस, एलएससी और पीसी सहित कुल वेतन (2 दिनों के लिए)	54692.43	54692.43
जोड़ें: लंबित मजदूरी संशोधन के लेखा पर 23 प्रतिशत की दर से वेतन में वृद्धि	13673.11	12579.26
	68365.54	67271.69
जोड़ें:		
1 दिन के लिए 2 गोताखोरों की लागत (रु० 1000 प्रति कॉल * 2 गोताखोर * 1 दिन)	2000.00	2000.00
लकड़ी के प्लांकों और नेलों की लागत	54500.00	54500.00
गुष्क गोदी तैयारी के लिए कुल लागत	124865.54	123771.69
अर्थात्	120000.00	120000.00

सार

(राशि रु० में)

पोत की लम्बाई	< 50 मी०	50 - 100 मी०	> 100 मी०
समतल तल वाला पोत	70000	87500	105000
आकृति वाला पोत	120000	160000	200000

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS NOTIFICATION

Mumbai, the 15th July, 2010

No. TAMP/4/2009-VPT.—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby disposes of the proposal received from the Visakhapatnam Port Trust for revision of Dry docking charges as in the Order appended hereto.

Tariff Authority For Major Ports

Case No. TAMP/4/2009-VPT

Visakhapatnam Port Trust

...
ORDER

—Applicant

(Passed on this 16th day of June, 2010)

This case relates to a proposal dated 1 January 2009, filed by the Visakhapatnam Port Trust (VPT) for revising the dry docking charges leviable at the dry dock owned by the port.

2.1. The main submissions made by the VPT in the proposal are given below:

- (i). The dry dock at the outer repair section (ORS) of VPT was built in the year 1933 to cater to the needs of port owned vessels. The dock is provided with 10T Electric Level Luffing crane to carry out repairs / needs of docked vessels. This is the only dry dock owned by the port with fully equipped facilities which exists in the entire east coast.
- (ii). In the past due to frequent break down of port craft and periodical scheduled dry docking the facility was restricted to port owned vessels throughout the calendar year for better upkeep of the flotilla, namely, dredgers, tugs, launches, barges, floating cranes, etc.
- (iii). Due to very few dry docks on the west coast and excess demand coupled with monsoon that cause delay and restrictions to dry docking on the west coast, pressure is mounting on the port from the Indian Navy, Coast Guard, Geological Survey, Off Shore Supply Vessels, etc., for allotment of slot at the dry dock.
- (iv). Further, due to increased offshore activity in the Krishna-Godavari belt the requirement of the dry dock has increased as there are very few dry docks in the east coast which are above 70 meters length.
- (v). VPT in its Board meeting held on 25 August 2006 has decided to accommodate Naval / Coast Guard / private shipping vessels without affecting the schedule of port vessels. It has also been decided to accord priority to Navy, Coast Guard and the vessels in distress.
- (vi). The existing Scale of Rates (SOR) of the VPT prescribes the dry docking charges which are in effect from 2001 and are too low and meagre.
- (vii). The maintenance cost of the dry dock has increased abnormally due to increase in staff charges, power tariff and cost of materials.
- (viii). Taking all the above factors into consideration, the VPT has proposed to revise dry docking charges.

2.2. The VPT has furnished cost statements in support of the proposed dock block preparation charges, rental / stayal charges, composite docking and undocking charges and crane charges. A summary of the cost analysis furnished for each of the tariff items is given below:

(i). **Dock block preparation charges:**

(in Rs.)

Particulars	For Flat bottom vessels < 50 mtrs. length	For Shaped vessels less than 50 mtrs. length
Total salary including bonus, LSC & PC	31909.18	54692.43
Add: 25% pending wage revision	7977.29	13673.11
Total	39886.47	68365.54
Add: Diver cost	4000.00	2000.00

Cost of wooden planks & nails	27250.00	54500.00
Total cost for dock block preparation	71136.47	124865.54
Proposed rate for the first slab	70000	120000

(ii). **Dry dock Rental / Stayal charges for vessel docked in ORS dry dock:**

Sl. No.	Name of the asset: (ORS Dry Dock)	Total (in Rs.)
1.	Capital Cost	65000000
	Life in years	75
	No. of working days per annum	310
2.	Fixed Cost:	
(a).	Return on investment @ 16% on original capital cost	10400000
(b).	Depreciation	866667
	Total Fixed Cost (A)	11266667
3.	Variable Cost:	
(a).	Repairs & Renewals @ 3.33% on original capital cost	2164500
(b).	Salaries	1357958
(c).	Management & General Admn., Exps. on Item-b @ 20.54%	278925
(d).	Oils & Lubricants and other consumables	732230
(e).	Power	422960
(f).	Workshop, stores & General Overheads on Item a,d,&e @ 10.27%	322674
	Total Variable Cost (B)	5279246
	Total Cost per annum (A + B)	16545913
	Total Cost per day (16545913 / 310 days)	53374
	Rate proposed per day (in Rs.)	53350

(iii). **Composite Docking and Undocking charges:**

(in Rs.)			
Sl. No.	Items	Docking Charges	Undocking Charges
(i).	Labour charges:		
	(a). Salary including bonus, LSC & PC	15345.77	7377.47
	(b). Add: 25% pending wage revision	3836.44	1844.36
		19182.21	9221.78
	After Rounding off (A)	19200	9200
(ii).	Dock Cleaning charges:		
	(a). Salary including bonus, LSC & PC	5955.75	5955.75
	(b). Add: 25% pending wage revision	1488.94	1488.94
		7444.69	7444.69
	After Rounding off (B)	7400	7400
(iii).	Dewater charges:		
	(a). Pumping charges 16901.60		--
	(b). Surcharge @ 25% 4225.50		
	(c). Meter charges 2000	21147.50	
	After Rounding off (C)	21150.00	--
(iv).	Total A + B + C	47750	16600
(v).	Composite charges (47750 + 16600)	64350	
(vi).	According, composite charge proposed (in Rs. per day)	64000	

(iv). **Charges for hire of crane:**

Staff cost per hour	-	Rs.215
Power charges	-	Rs.352
Hire charges per hour	-	Rs.414
TOTAL	-	Rs.981.05

Crane charges per hour proposed is Rs.981/- subject to a minimum of Rs.1395/- per hour.

2.3. To summarise, the dry docking charges prescribed in schedule 7.6.1. of the existing SOR and the proposed dry docking charges are tabulated below:

Existing dry docking charges			Proposed dry docking charges			
Schedule 7.6.1.			(i). Dock block preparation charges:			
Unit per day			Type of vessel			
			Length of vessel			
			50 mtrs. or less			
			More than 50 mtrs but less than 100 mtrs.			
			More than 100 mtrs.			
			Flat bottoms			
			Rs.70000/-			
			Rs.87500/-			
			Rs.105000/-			
			Shaped vessel such as Coast Guard/Navy			
			Rs.120000/-			
			Rs.160000/-			
			Rs.200000/-			
			(ii). Rental / Stayal Charges per day for vessel docked in ORS dry dock:			
			From 1 st day to 14 th day			
			From 15 th day to 30 th day			
			From 31 st day onwards			
			Rs.53350/-			
			Rs.80000/-			
			Rs.106700/-			
			(iii). Composite Docking and undocking charges from the dry dock – Rs.64000/-.			
			(iv). Crane charges -- Rs.981/- per hour or part thereof subject to a minimum of Rs.1395/-.			
			(v). Block shifting charges at actuals.			
			(vi). Overtime to the staff at actuals if docking/ undocking is carried out beyond normal working hours.			
			(vii). Second docking charges will be charged extra for Naval and Coast Guard vessels -- Rs.47000/-			

3. In accordance with the consultative procedure prescribed, a copy of the proposal received from the VPT was forwarded to the concerned users/ user organizations seeking their comments. Some of the users have furnished their comments. The comments received from them were forwarded to VPT for its comments as feedback information. The VPT has furnished its comments on the comments of users.

4. Based on a preliminary scrutiny of the proposal, the VPT was requested to furnish information/ clarifications on various points. The VPT has furnished its reply. On examining the reply furnished by the VPT some gaps were noticed. Accordingly, the VPT was again requested to furnish further additional information / clarifications. The VPT has furnished its reply. A summary of the queries raised and the replies furnished by VPT is tabulated below:

Sl. No.	Queries raised by us	Reply furnished by VPT
(i).	(a). The cost statements furnished with the proposal shows that the salaries/wages cost and management overheads are significantly	The cost statements for the years 2006-07 to 2008-09 furnished during general revision of SOR in 2006, after considering salaries/

	<p>influencing the proposed rates. It has to be recognised that the estimated Salaries/Wages and Management Overheads for the years 2006-07 to 2008-09 were already considered during the last tariff revision of the VPT. In this connection please clarify whether the port proposes to deploy any additional manpower for offering this service. Also, please ensure that there is no overlapping of these cost elements in the cost items to be considered in the general revision of Scale of Rates (SOR) of the VPT which is due for revision.</p>	<p>wages and Management Overheads under Port and Dock Facility Activity showed an aggregate deficit of 8.82%. As per the modified estimates considered by TAMP the deficit is 5.82%. Hence, the revision is proposed. It is clarified that there is no change in the staff component but, only likely increase in salaries due to wage revision has been considered. It will be ensured that there is no overlapping of cost elements in the ensuing general revision of rates. In fact the proposed revision of dry docking charges is already included in the proposal for general revision of SOR sent to TAMP vide its letter dated 1 April 2009.</p>
	<p>(b). Explain the basis of considering the impact of wage revision at 25% of salaries and wage cost. It may be noted that the Authority in the last general revision of the SOR of VPT, New Mangalore Port Trust and other major ports allowed provision for wage revision at 15% of the total wage cost.</p>	<p>A provision of 15% for wage revision was considered while submitting the SOR in 2005 assuming that only 15% rise in salaries may occur. As per the Sixth Pay Commission for Central Government employees, there is an increase of more than 30% on existing salaries. Hence, hike in wage revision of 25% is assumed for ports also on the same lines.</p>
(ii).	<p>Dock block preparation charges:</p> <p>(a). Explain details of the services to be rendered against the levy of the proposed dock block preparation charges.</p>	<p>Before docking the vessel, keel blocks/bilge blocks/side blocks are to be arranged for supporting the vessel structure as per the docking plan. It depends on the shape of the underwater hull of the vessel and size of the vessel.</p>
	<p>(b). Explain the reasons for proposing differential tariff for different types of vessels.</p>	<p>Depending upon the size of the vessel and shape of the underwater hull of the vessel, number of blocks to be used will differ. In case of Coast Guard vessels, the underwater shape of the hull is quite different from that of the commercial vessels due to various reasons. So the dock blocks preparation for shaped vessels/Coast Guard vessels involve more days in preparation. Hence the different charges are proposed in order to ensure that the port is not at loss for long spell of the time taken in this preparation.</p>
	<p>(c). Furnish the basis of estimating the cost of divers and the cost of wooden planks and nails in Annex-IV of the subject proposal and justify it with reference to the actual cost incurred by the port for similar services.</p>	<p>Wooden wedges/planks are to be used at the top of heel/bilge/side blocks. The wedges are to be cut to suit the underwater shape of the hull. These wooden planks/wedges are to be fixed in place by nails etc. These wooden planks/wedges cannot be reused as they get compressed or broken in most cases. The VPT dry dock is having conventional type of gates with rubber sealing. Often there will be some leaks through these sealing. The divers are required to do coking from the seaside to arrest the leakages. The time required for coking depends on the quantum of leakage. An average was taken in this case.</p>
(iii).	<p>Rental charges:</p> <p>(a). (i). Confirm whether the ORS dry dock is a new addition to the existing block of fixed assets. If so, furnish documentary evidence of capital cost incurred by the port and date of commissioning of this asset.</p>	<p>ORS dry dock conventionally called as dry dock of inner harbour is not a new addition to the existing block of fixed assets. Year of commissioning of said asset is 1950.</p>

(ii). Indicate the gross and net fixed assets pertaining to ORS dry dock as on 31 March 2009 as reported in the provisional Annual Accounts 2008-09. Confirm that the return on investment is computed on the net fixed assets as per the tariff guidelines of 2005 in the cost calculation.	The net fixed assets pertaining to ORS Dry dock as on 31 March 2009 as per records is Rs.1,06,94,055/-. However, the reinstated value of the ORS Dry dock was considered as Rs.6.50 crores based on the Asset valuation report submitted by M/s.Jadon & Co. in the year 2007-08. Hence return on investment is also considered on the same.															
(b). Confirm that the depreciation on the capital asset is considered as per the life norms prescribed in the Companies Act, 1956 as per the tariff guidelines of 2005. Also, give reference to the relevant provisions the said Act.	The life of the asset is considered as 75 years prescribed by the Ministry for the purpose of calculation of yearly depreciation. Depreciation is calculated on Straight line method.															
(c). (i). Explain the basis of estimating the other items such as repairs and renewals, salaries, management & general overheads, oil & lubricants, power and workshop, stores & general overheads for arriving at the proposed rate.	Oils, lubricants, power and other consumables are estimated based on the amount actually incurred for operating the dry dock. Variable cost of repairs and renewals considered at 3.3% on capital cost and work shop, stores & general over heads considered at 10.27% on cost of repairs and renewals + oils + power are in line with the approach followed for fixing the hire charges for different port equipment.															
(ii). The repairs and maintenance cost considered in the cost calculation may be justified with reference to the actual repairs and maintenance cost incurred by the port for this particular service in the last two years 2007-08 and 2008-09. Ensure that one time major repairs and maintenance expenditure incurred, if any, in the last two years is shown separately and amortised over a longer period of time.	<p>The one time repairs and maintenance costs incurred for the past 2 years is as follows:</p> <table><tr><td>i.</td><td>Keel block procured (2009)</td><td>Rs.16,66,000</td></tr><tr><td>ii.</td><td>Special repairs (civil works) to Dry Dock pump house & Dry dock 2007-08</td><td>Rs. 2,96,374</td></tr><tr><td></td><td>2008-09</td><td>Rs.19,89,230</td></tr><tr><td>iii.</td><td>Dry dock pump spares</td><td>Rs.26,43,939</td></tr><tr><td></td><td>Total</td><td>Rs.65,95,543</td></tr></table> <p>The above expenditure on amortizing over a period of 3 years comes to Rs.21,98,514/-. In addition to the said amortized expenditure routine R&M expenses incurred are Rs.50,000/- for the year 2007-08 and Rs.45,000/- for the year 2008-09. Hence, the amount mentioned in cost statement towards R&M expenses @ 3.33% on capital cost i.e. Rs.21,64,500/- is justified.</p>	i.	Keel block procured (2009)	Rs.16,66,000	ii.	Special repairs (civil works) to Dry Dock pump house & Dry dock 2007-08	Rs. 2,96,374		2008-09	Rs.19,89,230	iii.	Dry dock pump spares	Rs.26,43,939		Total	Rs.65,95,543
i.	Keel block procured (2009)	Rs.16,66,000														
ii.	Special repairs (civil works) to Dry Dock pump house & Dry dock 2007-08	Rs. 2,96,374														
	2008-09	Rs.19,89,230														
iii.	Dry dock pump spares	Rs.26,43,939														
	Total	Rs.65,95,543														
(iii). The general overheads, stores, etc., may be estimated based on the actual expenditure incurred for ORS dry dock during the last two years instead of estimating this item as percentage of repairs and renewals plus oil plus power.	<p>The stores expenditure for the last 2 years actually incurred is Rs.13,44,416/-, where as in the cost statement only Rs.3,22,674/- considered applying 10.27% for workshop stores and general overheads. Dry dock involves Fixed cost and Variable costs, Oils, lubricants, power and other consumables taken into account based on the amounts actually incurred for operating the Dry dock. Variable cost of Repairs and renewals considered at 3.3% on capital cost and Work shop, Stores and General overheads considered at 10.27% on cost of repairs and renewals + Oils + Power as followed for fixing the hire charges for different port equipments.</p> <p>Hence the general overheads, stores, etc. are taken as percentage as mentioned above.</p>															

	(d). Furnish detailed computation of salary estimated at Rs.13.58 lakhs for dock rental charges giving break up of number of employee hours deployed for this activity and the average salary cost thereof.	The staff employed for dry docking facilities for both ORS dry dock and Fishing Harbour dry dock put together are 10 in number. Hence 50% of staff salaries are apportioned for the ORS dry dock. Necessary calculation sheet furnished.												
	(e). Explain the basis of estimating the management and general overhead at 20.54% of salary cost. Furnish the break up of overhead components incurred by the port towards this activity in the last two years 2007-08 and 2008-09 to justify the estimated cost.	The basis for MGA as 20.54% is furnished. As per booked figures, the total overheads expenditure for ORS Dry dock for the year 2007-08 is Rs.2,29,36,464/- and for the year 2008-09 is Rs.3,31,08,182/-.												
(iv).	Crane charges: (a). The SOR of VPT prescribes hire charges for the 10T Electric Level Luffing (ELL) crane at Rs.414 per hour. From the proposal it appears that the port would deploy the existing 10T ELL crane. However, the port has proposed a different rate of Rs.981 per hour as crane charges. Explain the reason for proposing differential rate for the crane with the same capacity.	Crane hire charges as prescribed in the SOR rate i.e. Rs.414/- per hours is considered plus staff cost and power charges for operating the said crane is also considered.												
	(b). Generally, the cost of operating the crane i.e. staff cost, power cost, depreciation, etc., are taken into consideration while fixing hire charge of equipment. In this context, please confirm that the hire charge prescribed in the existing Scale of Rates does not include staff cost and power cost with reference to the said crane.	The charges for crane hire charges fixed before the proposal for general revision of Scale of Rates was filed is considered. While forwarding the proposal for general revision of Scale of Rates, VPT decided not to increase the crane hire charges and hence it is to inform that the crane hire charges will be as per the existing Scale of Rates i.e. Rs.414/- per hour subject to a minimum of Rs.828/-.												
(v).	Explain the services the port would provide under the proposed block shifting charges. The port may consider to propose a specific rate for this service based on the cost of providing the service instead of proposing to levy it based on actuals. The query was again reiterated.	Block shifting is required in few cases only. It is required whenever vessels require to do bottom painting and number of block shiftings depends on the vessel and requirement. Hence, a specific rate cannot be proposed as the work involved in shifting of side/bilge/keel blocks differs.												
(vi).	(a). Explain the reasons for proposing extra docking charges at Rs.47000/- for Naval and Coast Guard vessels.	Coast Guard vessels often request for second docking that involves flooding of the dock and shifting of the vessel by few metres and again make them sit on the new blocks. Hence, extra charges are proposed.												
	(b). Furnish detailed cost calculation in support of the proposed rate Rs.47000/- towards extra docking charges for Naval and Coast Guard vessels with reference to the additional cost involved in this regard.	The detailed cost calculation for 2 nd version docking for Naval and Coast Guard vessels is furnished hereunder: <table border="1"> <tr> <td>(a).</td><td>Labour charges</td><td>Rs.19,000/-</td></tr> <tr> <td>(b).</td><td>Dock cleaning charges</td><td>Rs.7,000/-</td></tr> <tr> <td>(c).</td><td>De watering charges</td><td>Rs.21,000/-</td></tr> <tr> <td></td><td>Total</td><td>Rs.47,000/-</td></tr> </table> <p>However, the port while furnishing its comments on the comments of the VSRA vide letter dated 6 June 2009 has mentioned that the proposed extra docking charges for Naval and Coast Guard vessel will be levied at 50% of 1st docking charges as labour and material required would be less when compared to 1st version docking.</p>	(a).	Labour charges	Rs.19,000/-	(b).	Dock cleaning charges	Rs.7,000/-	(c).	De watering charges	Rs.21,000/-		Total	Rs.47,000/-
(a).	Labour charges	Rs.19,000/-												
(b).	Dock cleaning charges	Rs.7,000/-												
(c).	De watering charges	Rs.21,000/-												
	Total	Rs.47,000/-												

(vii).	<p>(a). Furnish the additional revenue likely to accrue from the proposed tariff items for the three years 2009-10, 2010-11 and 2011-12.</p> <p>(b). Indicate the instances when the dry dock facilities were availed by outside vessels in the years 2006-07, 2007-08 and 2008-09.</p> <p>(c). Furnish estimate of vessels likely to avail dry docking facilities during the years 2009-10 to 2011-12.</p>	<p>It is to state that during the year 2008-09 only 4 outside vessels docked for repairs. However, the dry dock is being utilized generally for port crafts and will be given to outside vessels on availability. Considering the above and proposed increase in rates, the revenues were projected at 32.00 lakhs per annum in the cost statements.</p> <p>The instances of dry dock facility availed by private vessels in 2006-07 is 8, 2007-08 it is 4 and 2008-09 it is 10 vessels.</p> <p>The estimated number of vessels likely to avail dry docking facilities during the years 2009-10 to 2011-12 are 18 (6 vessels per year).</p>
(viii).	<p>Cost calculation furnished in Annex-II Docking / Undocking charges</p> <p>(a). The denominator considered for estimation of labour cost for docking / undocking / cleaning activity is 26 days in Annex-II relating to docking / undocking charges. Whereas in Annex-III relating to dry block preparation charges, the denominator considered for arriving at per day labour cost is 30 days. Explain the reasons for such variation for estimating the labour cost in the said two calculations furnished by the VPT.</p> <p>(b). Indicate the average actual consumption of power in last two years 2007-08 and 2008-09 by the pumps deployed at the dry dock for dewatering activity.</p> <p>(c). The unit rate of power adopted by the VPT in fixation of upfront tariff of multipurpose cargo terminal and liquid cargo terminal is Rs.6.20. No other cost elements are added to the said unit rate of power. Whereas, in the cost statement furnished for revision of dry docking charges, the unit rate of power considered by the VPT is 6.20 + 0.06 ED and 25% surcharge. Explain the reasons for adopting differential rate for estimating power cost in the instant proposal and substantiate it with copy of relevant electricity bill.</p> <p>Meter charge is a fixed expense. The basis of allocating Rs.20 towards meter cost to this activity may also be explained.</p>	<p>The denominator considered at Annexure II and III is 30 days for preparation of dock blocks etc., as salaries are payable on monthly basis. However, while fixing the dry dock rental charges at Annexure-1, no. of working days of dock was considered as 310 days excluding Sundays.</p> <p>The actual power consumption during dewatering in ORS dry dock is about 5,600 KWH (units) for vessel including leakage water, dewatering for 1 month period. The average power consumption for the years 2007-08 is 55,000 KWH and 2008-09 is 65,000 KWH.</p> <p>The reasons for including ED and Surcharge is – at dry dock a separate meter was installed to monitor the power consumption and hence, the vessel owner has to bear the ED surcharge in addition to the power consumption and meter charges of Rs.20/-. Hence the same were not considered for upfront tariff calculation of BOT operator.</p> <p>The unit rate of power for fixation of tariff considered by VPT is based on the tariff rates, terms and conditions of Andhra Pradesh Eastern Power Distribution Corporation Limited for the consumers of temporary power supply under LT category i.e. unit cost @ Rs.6.20 + 0.06 towards Electricity Duty and 25% surcharge towards low power facto (or) non-installation of capacitors (Furnished copy of Power Tariff in Telugu language).</p>
(ix).	<p>The additional income likely to accrue for each of the tariff items proposed may be furnished for the years 2009-10 to 2011-12 along with detailed calculation of income at the existing tariff level and income at the proposed tariff level, number of vessels availing the services, number of hours the service is availed, etc.</p>	<p>During the year 2008-09, 10 outside vessels docked for repairs. However, the dry dock is being utilized generally for port crafts and will be given to outside vessels on availability. The expected vessels for the years 2009-10 to 2011-12 will be around 6 vessels per annum. The cost statement prepared for the years 2006-07 to 2008-09 based on actuals and for 2009-10 to 2011-12 with proposed rates is furnished. Even at proposed rates</p>

		also the dry dock activity is showing a deficit. Since the dry dock caters mainly for VPT crafts, the deficit is proposed to be absorbed by VPT.
--	--	--

5. A joint hearing in this case was held on 22 October 2009 at the VPT premises. At the joint hearing, VPT and some of the users have made their submissions.

6.1. In compliance of the decision taken at the joint hearing, the VPT has furnished further clarifications/ justifications which are summarised below:

- (i). The MGA is considered taking into account the average of MGA percentage for a period of 3 years. The procedure for calculation of MGA is as follows:

Total Operating expenditure of the port (a)	xxx
Less MGA (excluding provision for wage revision) (b)	xxx

Net Operating Expenditure (c)	xxx
Engineering & Work shop overheads (d)	xxx
Store keeping (e)	xxx
Other General overheads (f)	xxx

Total MGA {d+e+f} (g)	xxx
% of General MGA to Operating Expenditure {g/c}	xxx
	(Applied on salaries component in cost sheet)
% of Work shop, Engg. & Stores Overheads to Operating expenditure {(d+e)/c}	xxx
	(Applied on R&M, power & stores consumables)

- (ii). It is clear from the above separate overhead recovery rates for MGA overheads and Workshop & Stores. Overheads were arrived and are applied on direct expenditure components like Salaries, R&M spares, Fuel and other consumable stores separately. Hence the contention that overheard recovery rates applied double is not correct as opined by Tariff Authority for Major Ports MGA calculation for the last 3 years in attached.

- (iii). Regarding Overtime charges it is to state that, the VPT Dry dock works only in general shift and general shift means from 07.00 to 16.30 hrs from Monday to Thursday, from 07.00 hrs on Friday and from 07.00 hrs to 12.00 hrs on Saturday and the staff strength is maintained accordingly for single shift only. Sunday is a holiday/weekly off as per the Industrial Rules/Factory act. Hence, if staff is required to be engaged after general shift hours at the request of the user, overtime charges as paid to the staff will be collected at actuals from the user.

- (iv). With regards to 2nd docking charges it is to state that the rate of Rs.47000/- and its break up is as follows:

Labour chares	-	Rs.19200
Dock cleaning chares	-	Rs. 7400
Dewatering charges	-	Rs.21150

Total	-	Rs.47750
		=====

However, VPT had already conveyed its acceptance for charging 50% of 1st docking charges only instead of Rs.47000/- as above vide letter No.FA/Cost/Dry docking/37 dated 27 July 2009.

- (v). As regards to the crane hire charges, VPT has agreed for the same rates as existing in the resent Scale of Rates instead of proposed rates.

6.2. Subsequently, the VPT has indicated the additional income of Rs.0.70 lakhs from block preparation and Rs.32.33 lakhs per annum from Rental to be earned at the proposed level of tariff.

7. The proceedings relating to consultation in this case are available on records at the office of this Authority. An excerpt of the comments received will be sent separately to the relevant parties. These details will also be made available at our website <http://tariffauthority.gov.in>.

8. With reference to the totality of information collected during the processing of this case, the following position emerges:

- (i). The port has stated that the dry docking facility was initially restricted to port owned vessels. However, since the dry docking facility is decided to be extended to other vessels and the maintenance cost of the dry dock has increased, the port has come up with the proposal in reference. The existing dry docking charge prescribed in the Scale of Rates of VPT was last revised in 2001. In the proposal in reference, the port has proposed not only upward revision of the existing dry docking rental charges but also certain new charges.
- (ii). It is notable that during the last general revision of tariff of VPT in 2006, though the port as a whole reflected a surplus position, the Port and Dock Facility under which the results of the dry dock activity are captured showed a deficit of 5.82%. Though cost position for dry dock activity was not assessed separately, the income reported from this activity was negligible as compared to the expense estimated for dry dock service. Recognizing the flow of cross subsidization between various activities and sub-activities, no upward revision was effected in the tariff of VPT, except some changes on account of rationalisation of the tariff structure. No emphasis was placed at that juncture on resetting the dry dock charges as the facility was primarily catering to the requirements of the port alone. The benefit of cross-subsidisation generally remained within the same user groups. With the dry docks being used now for other vessels also, if tariff correction is not effected then the particular segment of dry dock users may get the advantage at the cost of other user groups.
- (iii). The VPT has furnished a separate cost statement for the Dry Docking activity and confirmed that there is no overlapping of cost elements in the cost statement. It is, however, difficult to verify the claim made by the VPT when such statement is examined in isolation and not comprehensively as a part of the general revision of port tariff. Further, on examining the cost statement, it is found that the sum of the expenses estimated by port for individual services under the dry docking activity do not match with the consolidated expenses reported in the cost statement for the dry dock activity. The difference may be perhaps because the dry docking activity as a whole includes dry docking at fishing harbour also which is not covered in the present proposal. As no correlation can be drawn between the consolidated statement for dry dock activity and the cost calculation submitted for individual services, the cost statement furnished by the port for dry dock activity does not serve any purpose. Separate cost calculation for individual services under dry docking at inner harbour furnished by the port in support of the rates proposed is considered for the purpose of this analysis.
- (iv). The cost calculations furnished by VPT in support of the rate proposed for each of the items are analysed below:
 - (a). Dock Rental/ Stayal Charges:
The increase proposed in the existing Rental / Stayal charges levied for vessel docked in ORS dry dock is around 142%. The VPT has furnished a cost sheet in support of the proposed rate of Rs.53350/- per day from the 1st day of stayal of vessel upto the 14th day. To arrive at the proposed rate, VPT has restated the capital value of the dry dock. The operating expenses such as repairs, depreciation, and return are computed based on the restated value. It is notable that the dry dock is in existence from 1950 as reported by the port. It is relevant to mention that the cost plus

282340/10-A

approach mandated by the tariff guidelines requires to consider the written down value of asset. The net value of the dry dock asset reported by the port at Rs.1.07 crores as on 31 March 2009 is considered. Accordingly, return on the asset @ 16% and depreciation are worked out on the written down value of the asset. Other moderations effected in the operating costs is discussed below:

- (i). The VPT has estimated repair cost at Rs.21.65 lakhs applying 3.33% on the restated capital value of the asset. To justify the estimated repair expenses, the VPT has stated that the routine repair expenses for dry dock activity has been Rs.45000/- during the year 2008-09. In addition, the VPT has stated that one time repair expenses incurred during 2007-08 and 2008-09 amounting to Rs.65.95 lakhs has been amortised over a period of 3 years and considered as part of repair cost.

The VPT has not furnished any explanation for restricting amortisation of the one time expenses to a period of only 3 years. Assuming that the benefits arising from the one time repairs may be available for a longer period of time and also assuming that port may have to incur similar type of one time expenses once in every five years, the one time repair cost furnished by VPT is amortised over a period of 5 years. The actual repairs cost for the year 2008-09 is escalated by 5.8% (based on the escalation factor considered during the year 2009-10) to arrive at the regular repair cost for the year 2009-10. Accordingly, the total estimated repair cost works out to Rs.13.67 lakhs.

- (ii). The estimated salary and wage cost is inclusive of an increase of 25% on account of the pending wage revision. The impact of wage revision is moderated to 23% based on the wage hike recently announced for all the Major Port Trusts.
- (iii). VPT has calculated Management & General Overheads @ 20.54% of the salaries cost and explained the basis with reference to the actuals for the year 2007-08 which is relied upon. Management & General Overheads is considered @ 20.54% of the moderated wage cost.
- (iv). In the absence of workings in respect of oils, lubricants and power etc., the estimate as furnished by VPT is considered in the analysis.
- (v). VPT has calculated Workshop, Stores & General Overheads @ 10.27% of the repairs, oil and power cost. Since the VPT has derived this percentage based on the actuals for the year 2007-08, the same is relied upon.
- (vi). The VPT has considered the number of working days of dock as 310 days (excluding Sundays). Taking into account the number of vessels anticipated by the port and the average stay of vessels in the dock, the number of working days considered by the port appears to be on the higher side. The upfront tariff guidelines of 2008 prescribe optimum utilisation at 70% which has been applied while determining the hire charge of mobile harbour cranes in case of various major ports. Accordingly, in this case also the number of working days is considered as 256 days for arriving at the per day rental charges.
- (vii). The cost statement for dock rental/ stayal charges is attached as **Annex - I**. As per the revised calculation, the charges for dock rental / stayal of vessel works out to Rs.27967/- per day which is 25% higher than the existing rate for first 14 days. The rates for

the subsequent two slabs are prescribed maintaining the percentage increase with reference to the first slab as proposed by the VPT.

(b). Docking and Undocking Charges:

The VPT has calculated the proposed rate based on the cost of offering this service. Wage cost is modified on the same lines as explained under the previous item of tariff.

The VPT has considered rate of Rs.6.20 per unit of electricity plus Rs.0.06 per unit as electricity duty plus 25% surcharge toward pumping out water. The port has stated that at dry dock a separate meter is installed to monitor the power consumption and thus the vessel owner has to bear the electricity duty and surcharge in addition to the power consumption and meter charges of Rs.20/-. Despite specific request, the port has not furnished copies of relevant electricity bill to substantiate the levy of surcharge @ 25% as claimed by port. It is relevant to state that the unit rate of power considered while fixing upfront tariff for various PPP projects at VPT which were decided in the years 2008-09 and 2009-10, is Rs.6.20 based on the documentary proof submitted by the port. That being so, the electricity cost for pumping out water is estimated at unit rate of Rs.6.20. Electricity duty at 1% is also allowed. Since the VPT has confirmed that electricity meter has been installed, the meter charges are also factored.

The cost statement for docking and undocking charges is attached as **Annex - II**. As per the cost statement, the charges for first docking works out to Rs.43123 per vessel which is approved.

Initially, the VPT had proposed an additional rate for second docking charges at Rs.47000/- for Naval and Coast Guard vessels. Subsequently, the port proposed second docking charges at 50% of 1st docking charges citing that the labour and material required would be less as compared to 1st docking. The quantum of reduction in the cost for second docking service is not justified with any calculation. Tariff for second docking is, however, approved at 50% of the charge approved for first docking charges (i.e. Rs.21562 per vessel). The second docking charges will apply on all vessels availing second docking facility.

The port is advised to formulate a well analysed proposal for second docking with reference to the cost of such services at time of the next tariff revision.

(c). It may be relevant here to mention that in the Scale of Rates of other Major Port Trusts such as Mumbai Port Trust (MBPT) and Kolkata Port Trust (KOPT), charges for the use of dry docks viz., rental charges, docking and undocking charges are prescribed based on the GRT of the vessels and separate tariff are prescribed for foreign-going vessel in dollar terms with concessional tariff prescribed for coastal vessel.

In respect of VPT, the existing rental charges are prescribed on per day per vessel without any linkage to the GRT and the port has proposed the existing unit of levy to continue. The proposed docking/ undocking charges are also not based on the GRT of vessels.

As stated earlier, the dry dock facility was primarily catering to the requirements of the port alone. It is now that the port anticipates the use of the facility by other vessels also. This Authority at this juncture does not like to insist for prescription of rates based on the GRT of vessels.

The port has not proposed separate rates for foreign going and coastal vessels for the said services. Since the port proposes to mainly accommodate naval and coast guard vessels, the rates so derived for the rental and docking / undocking charges may be treated as the rate

applicable for coastal vessels. Though port has not indicated any foreign going vessel, separate rate may be prescribed for a foreign going vessel in an event such vessel calls the port for dry docking facility in future. The rate for foreign going vessel is derived by maintaining the stated level of disparity in the rates between foreign-going and coastal vessel and applying the prevailing exchange rate of 1 US \$ = Rs.46.84. This may not have any significant financial impact as the VPT anticipates mainly the naval and coast guard vessels.

The port is advised to propose suitable rates for dock rental and docking / undocking charges separately for foreign going and coastal vessel with reference to GRT of the vessels at the time of the next general revision of its Scale of Rates, based on the experience gained from such operation.

(d). Dock block preparation charges:

The VPT has proposed rates of Rs.70000/- for flat bottom vessels measuring less than 50 metres and Rs.120000/- for shaped vessels measuring less than 50 metres, which escalate with increase in the size of vessel.

- (i). The cost mainly involves the salary and wages of different class of employees associated with preparation of dock block for a period of 2 days, cost of 2 divers for 2 days and cost of wooden planks and nails.

The VPT has furnished detailed breakup of the salary and wage cost for different class of employees. Wage cost is modified as explained earlier.

- (ii). An argument was advanced about recycling of the materials used for block preparation. Port has categorically maintained that the materials cannot be reused as they suffer damage during the first use itself. The position averred by the port is relied upon.

- (iii). Subject to the above modification, the unit rate for dock block preparation charges works out to Rs.70498 for flat bottom vessel and Rs.123772 for shaped vessels. A copy of the cost statement is attached as Annex - III. The rate proposed by VPT at Rs.70,000 and 1,20,000 for flat and shaped vessels for vessels less than 50 metres is, therefore, approved. On the ground that number of blocks to be used will differ depending upon the size of the vessel and shape of the underwater hull of the vessel, incremental rates are proposed for flat bottom and shaped vessels measuring between 50 to 100 metres and that measuring more than 100 metres which is also approved. In this regard, it is noteworthy that the Indian Coast Guard has also found the proposed rate for dock block preparation charges for different length of ships to be reasonable.

(e). Block Shifting Charges:

The port proposes to levy the Block Shifting Charges based on the actuals incurred. When asked to propose a specific rate, the port has stated that block shifting is carried out only in cases where the vessels are required to carry out bottom painting and as such the block shiftings depends on the size and type of the vessel. In view of difficulty expressed by the port in proposing a specific rate for this service, the proposal of VPT to charge the users at actuals is accepted for the time being. The port should, however, attempt to quantify the cost involved for shifting blocks, based on the experience gained from such operation over the last 2 years and propose suitable rates at the time of the impending general revision of tariff for the port.

(f). Overtime of the staff:

The VPT has claimed that dry dock works only in general shift and the staff strength is maintained accordingly for single shift only. The port has, therefore, proposed to levy overtime charges based at actuals if docking/undocking is carried out beyond normal working hours. This Authority is generally not in favour of prescribing separate overtime charges as the ports are expected to render services round the clock. Moreover, the basic charges are recovered by the port from this tariff item even in the extended hours of working. In view of the above, this Authority is not inclined to approve the proposal of the port for levy of overtime charges at actuals for working beyond the normal working hours. It is relevant to mention that this Authority has earlier in May 2006 also disapproved the proposal of port for levy of overtime charges and in another separate proposal filed by the port for recovery of overtime charges for use of floating cranes.

- (v). The port has estimated additional income to the tune of Rs.33.03 lakhs per annum based on the tariff proposed for rental and dock block preparation charges. The port has not estimated additional income from other new tariff items proposed to be introduced. As per our assessment, the additional income likely to accrue at the tariff hike approved for rental charges and new tariff items will be around Rs.11.18 lakhs per annum based on the 6 number vessels estimated to avail the dry dock facility. In any case this activity will be included while determining the cost position for the port as a whole in its general revision proposal for which the process is already initiated.
- (vi). While furnishing replies to our queries, the VPT has agreed to withdraw the increase in crane hire charges proposed and continue to charge at the rates prescribed in item no. (i) of sub-section 5.5 under Section 5 of the existing Scale of Rates of VPT.
- (vii). The conditionalities for rentals / stayal prescribed in the existing Scale of Rates are maintained. The VPT has not proposed conditionalities governing the new tariff items. Based on the comments furnished by the VPT during the proceedings, a note stipulating the services included in the dock block preparation is incorporated. It is explicitly stated that the charges include all cost including materials for preparation of keel blocks and do not include materials for preparation of bilge blocks.
- (viii). The tariff guidelines stipulate a tariff validity cycle of 3 years. As stated earlier, it may be difficult to ensure that there is no overlapping of cost elements when a proposal is examined in isolation. It may, therefore, be appropriate to review this tariff item along with the review of other tariff items prescribed in its Scale of Rates. That being so, the validity of the tariff approved for dry docking activity is prescribed till the validity of revised Scale of Rates of VPT (to be) approved by this Authority.

9.1. In the result, and for the reasons given above, and based on a collective application of mind, the existing Section 7.6.1 in the Scale of Rates of VPT is replaced with the following:

“ 7.6.1. VISAKHAPATNAM INNER HARBOUR:

7.6.1.1 For use of dry dock at Visakhapatnam inner harbour:

Item	Description	Unit	Foreign going vessel (in US \$)	Coastal Vessel (in Rs.)
1.	From 1 st day to 14 th day	Per day	995.13	27967.00
2.	From 15 th day to 30 th day	-do-	1492.21	41937.00
3.	From 31 st day onwards	-do-	1990.25	55934.00

Notes:

- (1). The above charges include the shipwright and pumping charges but do not include charges for the supply of fresh water, cranes, electric lights and other facilities.
- (2). Time is reckoned from the moment any part of the vessel passes the gate line when entering to the moment the whole vessel is clear of the gate line or leaving the deck.
- (3). Day means a period of 24 hours or part thereof calculated from the time fixed in Note.2.
- (4). The VPT may at its discretion permit the use of the Dry Dock for more than one vessel at the same time. On such occasions, the Dock charges of a vessel, which has completed her repairs earlier than the other vessel or vessels, and whose undocking is delayed, due to the non-completion of the repair to the latter, will be levied upto the end of the day on which the work on that vessel is completed. The time between the completion of work on a particular vessel and the final undocking of all the vessels will be treated as 'Dies-non'.
- (5). When the Dock is used simultaneously by two or more crafts belonging to Private parties or to the other Departments of Government or belonging to the Port the total charges may be charged proportionately, the proportion being decided by the VPT on the basis of floor area occupied subject to a limit of not less than half the charges prescribed for each vessel. The decision of the VPT in the apportionment of charges shall be final.

7.6.1.2 Dock Block Preparation Charges:

(in Rs. per vessel)

Length of Vessel	< 50 mtrs	50 - 100 mtrs	> 100 mtrs
Flat Bottom Vessel	70000	87500	105000
Shaped Vessel	120000	160000	200000

Notes:

The dock block preparation charges include all cost involved including materials for preparation of Keel Blocks. The above charges do not include preparation of Bilge Blocks for which the materials are required to be supplied by the vessel owner.

7.6.1.3 Composite Docking and Undocking Charges:

- (i). The Composite Docking and Undocking Charges will be levied at US\$ 2117.95 per foreign going vessel and Rs.59523/- per coastal vessel.
- (ii). In case of 2nd Docking, a rate of US\$ 767.22 per foreign going vessel and Rs.21562/- per coastal vessel will be levied.

7.6.1.4 Block Shifting Charges:

Block Shifting Charges will be levied on actuals. "

9.2. The amendment to the Scale of Rates of VPT will take effect after expiry of 30 days from the date of notification of this Order in the Gazette of India.

RANI JADHAV, Chairperson

[ADVT-III/4/143/10-Exty.]

Annex - I

COST SHEET FOR FIXATION OF DOCK RENTAL CHARGES

Particulars	(Amt. in Rs.)	
	As given by VPT	As moderated by us
Capital Cost	65000000	10694055
Life of Asset (in years)	75	15
No. of working days per annum	310	256
<u>Fixed Cost:</u>		
- Return on investment (16% of original cost of asset)	10400000	1711049
- Depreciation	866667	1057000
A)	11266667	2768049
<u>Variable Cost:</u>		
- Repairs & Renewals (3.33% on original capital cost)	2164500	1366719
- Salaries (Incl. Increased salary @ 23% on account of pending wage revision)	1357958	1336230
- Management & General Admin Overheads (20.54% of salaries cost)	278925	274462
- Oils, Lubricants and Other Consumables	732230	732230
- Power	422960	422960
- Workshop, Stores and General Overheads (10.27% of repairs, oils & power)	322674	259000
B)	5279247	4391600
Total Cost per annum (A + B)	16545913	7159649
Total Cost per day	53374	27967
Say	53350	27967

Annex - II

COMPOSITE CHARGES FOR DOCKING & UNDOCKING

Particulars	(Amt. in Rs.)	
	As given by VPT	As moderated by us
Docking Labour Salaries including Bonus, LSC and PC	15345.77	15345.77
Add: Increase in salary on account of 23% pending wage revision	3836.44	3529.53
	19182.21	18875.30
Say	19200	18875
Undocking Labour Salaries including Bonus, LSC and PC	7377.43	7377.43
Add: Increase in salary on account of 23% pending wage revision	1844.36	1696.81
	9221.79	9074.24
Say	9200	9074
Dock Cleaning Labour Salaries including Bonus, LSC and PC	5955.75	5955.75
Add: Increase in salary on account of 23% pending wage revision	1488.94	1369.82
	7444.69	7325.57
Say	7400	7326
<u>Dewatering charges</u>		
Pumping charges (2 pumps * 15 hours per pump * 90 units * Rs.6.20 per unit)	16902	16902
Surcharge @ 25%	4226	0
Meter charges	20	20
	21148	16922
Say	21150	16922

Composite Charges (As given by VPT)			
	Docking	Undocking	Total
Labour	19200	9200	28400
Dock cleaning charegs	7400	7400	14800
Dewatering charges	21150	0	21150
	47750	16600	64350
Say			64000

Composite Charges (As moderated by us)			
	Docking	Undocking	Total
Labour	18875	9074	27950
Dock cleaning charegs	7326	7326	14651
Dewatering charges	16922	0	16922
	43123	16400	59523
Say			59523

Annex - III

DOCK BLOCK PREPARATION CHARGES (FLAT BOTTOM VESSELS)

Particulars	(Amt. in Rs.)	
	As given by VPT	As moderated by us
Total Salary including Bonus, LSC and PC (for 2 days)	31909.18	31909.18
Add: Increase in salary @ 23% on account of pending wage revision	7977.30	7339.11
	39886.48	39248.29
Add:		
Cost of 2 divers for 2 days (Rs.1000 per call * 2 divers * 2 days)	4000.00	4000.00
Cost of Wooden planks and nails	27250.00	27250.00
Total cost for dry dock preparation	71136.48	70498.29
Say	70000.00	70000.00

DOCK BLOCK PREPARATION CHARGES (SHAPED VESSELS)

Particulars	(Amt. in Rs.)	
	As given by VPT	As moderated by us
Total Salary including Bonus, LSC and PC (for 2 days)	54692.43	54692.43
Add: Increase in salary @ 23% on account of pending wage revision	13673.11	12579.26
	68365.54	67271.69
Add:		
Cost of 2 divers for 1 day (Rs.1000 per call * 2 divers * 1 day)	2000.00	2000.00
Cost of Wooden planks and nails	54500.00	54500.00
Total cost for dry dock preparation	124865.54	123771.69
Say	120000.00	120000.00

SUMMARY

(Amt. in Rs.)

Length of Vessel	< 50 mtrs	50 - 100 mtrs	> 100 mtrs
<i>Flat Bottom Vessel</i>	70000	87500	105000
<i>Shaped Vessel</i>	120000	160000	200000